

# **मकै तथा मकै बाली प्रणालीमा प्रयोग हुने मेशिनरी औजार उपकरणहरूको परिचय, सञ्चालन तथा मर्मतबारे जानकारी पुस्तिका**



नेपाल सरकार  
**कृषि तथा पशुपक्षी विकास मन्त्रालय**  
**प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना**  
**परियोजना कार्यालयन इकाई, मकै सुपरजोन, दाङ**  
**फोन नं: ०१२-४९७०७०**  
**२०७६**

इमेल: dangsuperzone@gmail.com

वेबसाइट: www.dang.superzone.gov.np



चक्कलाबन्दी कार्यक्रम अन्तर्गत सुर्योदय बहुउद्देश्यीय कृषक सहकारी संस्था लि.द्वारा सञ्चालित कष्टम हायरिङ्ग सेन्टरमा मेशीनरी औजारउपकरणहरूको निरिक्षण गर्दै कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मन्त्रालयका सचिव डा.युवकर्ध्वज जि.सी., परियोजना निर्देशक श्री लक्ष्मण प्रसाद पौडेल, राजपुर गाउँपालिका वडा नं २ मटेरीया दाङ



चक्कलाबन्दी कार्यक्रम अन्तर्गत सुर्योदय बहुउद्देश्यीय कृषक सहकारी संस्था लि.मा स्थापित कष्टम हायरिङ्ग सेन्टरमा मेशीनरी औजारउपकरणहरू हस्तान्त्रण गर्दै कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मन्त्रालयका सचिव डा.युवकर्ध्वज जि.सी., राजपुर गाउँपालिका वडा नं २ मटेरीया दाङ



हायरिङ्ग सेन्टरको अनुगमन निरिक्षण गर्दै कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मन्त्रालयका सचिव डा.युवकर्ध्वज जि.सी., लमही नगरपालिका वडा नं ८ सतवरीया दाङ



हरित तरकारी कृषक समुह द्वारा सञ्चालित कष्टम हायरिङ्ग सेन्टरको अनुगमन निरिक्षण गर्दै कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मन्त्रालयका सचिव डा.युवकर्ध्वज जि.सी., लमही नगरपालिका वडा नं ७ फचकपुर दाङ

# मकै तथा मकै बाली प्रणालीमा प्रयोग हुने मेशिनरी औजार उपकरणहरूको परिचय, सञ्चालन तथा मर्मतबारे जानकारी पुस्तिका

|                            |   |  |
|----------------------------|---|--|
| <b>प्रकाशक</b>             | : | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना<br>परियोजना कार्यान्वयन इकाई (मकै सुपरजोन)<br>लमही, दाढ |
| <b>प्रकाशक मण्डल</b>       | : |  |
| <b>संरक्षक</b>             | : | महेश रेमी, वरिष्ठ कृषि अधिकृत  |
| <b>सम्पादक</b>             | : | पिताम्बर बस्नेत, कृषि अधिकृत   |
| <b>लेखक एवं संकलक</b>      | : | सागर काफ्ले, प्रमुख, सिमिट/सिसा दाढ<br>ज्योति राई, कृषि इन्जिनियर, सिमिट/सिसा दाढ              |
| <b>प्रकाशन सहयोगी</b>      | : | फुलनदेवी चौधरी, प्राविधिक सहायक<br>कृष्ण श्रेष्ठ, नायब सुब्बा                                  |
| <b>प्रकाशन मिति</b>        | : | २०७६ असार  |
| <b>मुद्रण</b>              | : | १००० प्रति   |
| <b>आ.व.</b>                | : | २०७५/०७६   |
| <b>सर्वाधिकार सुरक्षित</b> | : | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना,<br>परियोजना कार्यान्वयन इकाई (मकै-सुपरजोन), दाढ        |

**नोट :** यो पुस्तिका सिमिट/सिसा दाढको प्राविधिक सहयोगमा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना  
परियोजना कार्यान्वयन इकाई (मकै सुपरजोन) दाढबाट प्रकाशन गरिएको हो ।

# विषयसूची

## मेशिनसम्बन्धी जानकारी

### (क) जमिन तयारीमा प्रयोग हुने मेशिनरी औजारहरू

#### प. लेजर ल्याण्ड लेभलर

##### लेजर ल्याण्ड लेभलरका भागहरू

१. लेजर ट्रान्समिटर

२. लेजर रिसिभर

३. कन्ट्रोल प्यानल

४. हाइड्रोलिक सिस्टम

▶ लेजर ल्याण्ड लेभलर प्रयोग गर्नुका फाइदाहरू

▶ लेजर ल्याण्ड लेभलर सञ्चालनका चरणहरू

▶ कार्यक्षमता

▶ लेजर ल्याण्ड लेभलरमा आइपर्ने विभिन्न समस्याको कारण तथा समाधान

#### ५. पावरटिलर बाटे जानकारी तथा सुरक्षित सञ्चालन चिह्न

▶ पावरटिलरका भागहरू

▶ मेशिनका विशेषताहरू

▶ कार्यक्षमता

▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण

▶ पावरटिलर सञ्चालन गर्नुभन्दापूर्वको तयारी

▶ पावरटिलर स्टार्ट गरिसकेपछि चलाउँदा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू र सुरक्षाका उपायहरू

▶ पावरटिलरलाई थन्क्याएर राख्दा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू

▶ लामो समयसम्म भण्डारण गर्ने भए निम्न कुराहरूमा ध्यान दिनुपर्दछ

▶ पावरटिलरको क्लचमा समस्या आएमा के गर्ने

▶ पावरटिलरको गियर लिभर अझ्किएमा कसरी समाधान गर्ने

#### ६. ट्र्याक्टर बाटे जानकारी तथा सुरक्षित सञ्चालन चिह्न

▶ ट्र्याक्टरका विशेषताहरू

▶ ट्र्याक्टरलाई कसरी लामो समय सहि कन्डिसनमा राख्ने

## (ख) बीउ मल छने मेशिनहरू

#### प. मर्जे लगाउने चाईंजिज एिड्रिल मेशिन -जायचल एबिलतमध्ये

▶ मेशिनका विशेषताहरू

१

१

१

१

१

१

१

२

२

३

३

४

५

५

५

५

६

६

६

६

७

७

८

८

९

९

१०

|  |    |
|--|----|
| ▶ मेशिनको क्षमता   | १० |
| ▶ आर्थिक फाइदा   | १० |
| <b>५. विजा खन्नजोत मर्कै, धान, गहू, मण्डुएटो आदि धने सेइन (Zero Till Seed Drill)</b> | ११ |
| ▶ नेपालमा उपलब्ध बीउ खसाउने विभिन्न प्रणालीका मेशिनहरु                               | ११ |
| ▶ अन्य विशेषताहरु  | १२ |
| ▶ क्षमता   | १२ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | १२ |
| ▶ बीउ मल छर्ने मेशिन प्रयोगका लागि तयार कसरी गर्ने                                   | १२ |
| ▶ आउने सक्ने समस्याहरु   | १३ |
| ▶ बीउ छर्दा वा छरिसकेपछि ध्यान दिनुपर्ने कुराहरु                                     | १३ |
| <b>६. पारदिलाइ जोडेट चलाउने बीउ मल धने सिङ ड्रिल सेइनका प्रकार तथा विशेषताहरु</b>    | १३ |
| ▶ अन्य विशेषताहरु  | १५ |
| ▶ क्षमता   | १५ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | १५ |
| <b>७. ज्यात प्लाण्टर (Jab Planter)</b>   | १५ |
| ▶ अन्य विशेषताहरु  | १६ |
| ▶ प्रयोग विधि  | १६ |
| ▶ बीउ मिटर   | १६ |
| ▶ बीउ दर (मात्रा) मिलाउने तरिका  | १६ |
| ▶ बीउको गहिराइ मिलाउने तरिका   | १७ |
| ▶ क्षमता   | १७ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | १७ |
| <b>८. मल धने माले सेइन</b>   | १७ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु   | १८ |
| ▶ मेशिनको कार्यक्षमता  | १८ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | १८ |
| ▶ मेशिनका फाइदाहरु   | १८ |
| ▶ मेशिन चलाउने तरिका   | १८ |
| ▶ मेशिन चलाउँदा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरु  | २० |
| <b>(ग) मर्कै गोड्ने मिनिटिलर मेशिन (Weeder Machine)</b>                              | २० |
| ▶ मेशिनका भागहरु   | २० |

|   |    |
|---|----|
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु  | २२ |
| ▶ कार्यक्षमता   | २२ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण   | २२ |
| ▶ मिनी टिलर सञ्चालन गर्नुपूर्वको अभ्यास   | २२ |
| ▶ मेशिनमा आउन सक्ने समस्याहरु र यसका कारणहरु  | २३ |
| <b>(४) बाली काट्ने मेशिनहरु</b>   | २४ |
| <b>१. पावरटिलरमा जोड्ने धान तथा गहुँ काट्ने मैशिन इपट</b>   | २४ |
| ▶ रिपरलाई पावरटिलरमा जोड्ने तरिका   | २४ |
| ▶ रिपर जोड्दा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरु   | २५ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु  | २५ |
| ▶ मेशिनको कार्यक्षमता   | २५ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण   | २५ |
| ▶ रिपरमा आईपर्ने विभिन्न समस्याको कारण  | २५ |
| ▶ रिपरको कुन भागमा कुन तेल कर्ति कर्ति समयमा लगाउने   | २६ |
| <b>२. मिनिटिलर वा सानो हाते ट्र्याक्टरमा जडित गहुँ तथा धान काट्ने इपट (Self Propelled Reaper)</b> | २६ |
| ▶ रिपरका भागहरु   | २७ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु  | २७ |
| ▶ मेशिनको कार्यक्षमता   | २७ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण   | २७ |
| ▶ रिपरमा आईपर्ने विभिन्न समस्याको कारण  | २७ |
| ▶ रिपरको कुन भागमा कुन तेल कर्ति-कर्ति समयमा लगाउने   | २८ |
| <b>३. मकैको घोगा भाँच्ने मैशिन</b>  | २८ |
| ▶ मेशिनका मुख्य भागहरु  | २८ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु  | २९ |
| ▶ मेशिनको कार्यक्षमता   | २९ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण   | २९ |
| ▶ मकैको घोगा भाँच्ने मेशिन सञ्चालन गर्नुपूर्वको अभ्यास  | २९ |
| ▶ आउन सक्ने समस्याहरु र यसका समाधानहरु  | ३० |
| <b>(५) बाली चुट्ने मेशिनहरु</b>   | ३० |
| <b>१. मकै धोडाउने मैशिन (Corn Sheller)</b>  | ३० |
| ▶ मेशिनका मुख्य भागहरु  | ३१ |

|  |    |
|--|----|
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु   | ३१ |
| ▶ कार्यक्षमता  | ३१ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | ३१ |
| ▶ आउन सक्ने समस्याहरु  | ३१ |
| ▶ गर्नुपर्ने कामहरु  | ३१ |
| <b>५. मर्जे जड्याएट धोडाउने टाजो मैशिन (Maize Dehusker Cum Sheller)</b>      | ३२ |
| ▶ मेशिनका मुख्य भागहरु   | ३२ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु   | ३२ |
| ▶ कार्यक्षमता  | ३३ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | ३३ |
| <b>६. मर्जे धोडाउने ट्रयाक्टर जडित मैशिन (Tractor Mounted Maize Sheller)</b> | ३३ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु   | ३४ |
| ▶ क्षमता   | ३४ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | ३४ |
| ▶ आउन सक्ने समस्याहरु  | ३४ |
| ▶ गर्नुपर्ने कामहरु  | ३४ |
| <b>८. मर्जे जड्याएट धोडाउने ठूलो मैशिन (Maize Dehusker Cum Sheller)</b>      | ३५ |
| ▶ मेशिनका मुख्य भागहरु   | ३५ |
| ▶ मेशिनका विशेषता  | ३५ |
| ▶ क्षमता   | ३५ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | ३६ |
| ▶ आउन सक्ने समस्याहरु  | ३६ |
| ▶ गर्नुपर्ने कामहरु  | ३६ |
| <b>९. बहुबाली थ्रेशर गर्ने मैशिन (Multi Crop Thresher)</b>                   | ३६ |
| ▶ मेशिनका मुख्य भागहरु   | ३७ |
| ▶ मेशिनका विशेषताहरु   | ३७ |
| ▶ क्षमता   | ३७ |
| ▶ तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण  | ३७ |
| ▶ गर्नुपर्ने कामहरु  | ३७ |

# फोटोहरू

|   |    |
|---|----|
| चित्र १ : लेजर ल्याण्ड लेभलर                      | १  |
| चित्र २ : पावरटिलर                                | ४  |
| चित्र ३ : पावरटिलरको क्लचमा देखिएको समस्या        | ७  |
| चित्र ४ : पावरटिलरको गियर लिभर अड्किएको अवश्था    | ७  |
| चित्र ५ : ट्र्याक्टर                              | ८  |
| चित्र ६ : मकै लगाउने चाइनिज सिडडिल मेशिन          | ९  |
| चित्र ७ : बीउ मल छर्ने सिडडिल मेशिन               | १० |
| चित्र ८ : इन्क्लाइड प्लेट विउ छर्ने मेशिन         | ११ |
| चित्र ९ : भार्टिकल रोटर विउ छर्ने मेशिन           | ११ |
| चित्र १० : फ्लुटेड रोलर विउ छर्ने मेशिन           | ११ |
| चित्र ११ : रोटरी सिडडिल मेशिन                     | १४ |
| चित्र १२ : साधारण सिडडिल मेशिन                    | १४ |
| चित्र १३ : जिरो टिल सिडडिल मेशिन                  | १४ |
| चित्र १४ : ज्याव प्लान्टर                         | १५ |
| चित्र १५ : मल छर्ने झोले मेशिन                    | १७ |
| चित्र १८ : मकै गोड्ने मेशिन (Weeder)              | २१ |
| चित्र १६ : रिपर (Rice and Wheat Reaper)           | २४ |
| चित्र १७ : रिपर (Self Propelled Reaper)           | २५ |
| चित्र १९ : मकैको घोगा भाच्चे मेशिन (Maize Reaper) | २८ |
| चित्र २० : मकै छोडाउने मेशिन (Corn Sheller)       | ३० |
| चित्र २१ : मकै नझ्याएर छोडाउने मेशिन              | ३२ |
| चित्र २२ : मकै छोडाउने ट्र्याक्टर जडित मेशिन      | ३३ |
| चित्र २३ : मकै नझ्याएर छोडाउने ठूलो मेशिन         | ३५ |
| चित्र २४ : बहबाली थ्रेसिङ गर्ने मेशिन             | ३६ |

## क. जमिन तयारीमा प्रयोग हुने मेशिनरी औजारहरू

### प. लेजर ल्याण्ड लेभलर

लेजर ल्याण्ड लेभलर लेजर प्रकाशद्वारा माटो ताने बकेटलाई अटोमेटिक तरिकाले निर्देशन दिएर जमिनलाई एकनासले सम्याउने मेशिन हो । यसलाई चारचक्के ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाइन्छ । यो मेशिन चलाउन ५० वा सो भन्दा बढी हर्स पावरको ट्र्याक्टर आवश्यक पर्दछ ।



चित्र १ : लेजर ल्याण्ड लेभलर

### लेजर ल्याण्ड लेभलरका भागहरू :

१. लेजर ट्रान्समिटर : यो त्रिपदस्ट्र्याण्डको माथि जोडिएको हुन्छ, यसले लेजरका किरणहरू वृत्ताकार शैलीमा चारैतिर ५०० मिटर टाढासम्म प्याँच्छ ।
२. लेजर रिसिभर : यसलाई बकेटको माथि जोडिएको हुन्छ, यसले चारै दिशाबाट आएका लेजरका किरणलाई प्राप्त गर्दछ र सिनललाई कन्ट्रोल बक्समा पठाउँछ ।
३. कन्ट्रोल प्यानल : यसलाई ट्र्याक्टरमा ड्राइभरको दायाँतिर जोडिन्छ, यसले रिसिभरबाट आएको सिनललाई प्राप्त गरेर माटो ताने बकेटको उचाई घटाउन वा बढाउनका लागि सूचना दिन्छ ।
४. हाइड्रोलिक सिस्टम : यसले तेलको मात्रा घटबढ गरेर बकेटलाई माथि उठाउने तथा तल झार्ने काम गर्दछ ।

## लेजर ल्याण्ड लेभलर प्रयोग गर्नुका प्राइवेट हुँदैन :

### १. उत्पादनमा वृद्धि

यस मेशिनको प्रयोग गरेमा एक बिधा जमिनमा ३५० केजी सम्म (२४%) बढी धान उत्पादन गर्न सकिन्छ । अन्य बाली जस्तै : मकै, गहुँ बालीमा समेत उत्पादन बढाउँछ । साथै खेतीयोग्य जमिनको उत्पादकत्वमा १५% सम्म वृद्धि गर्दछ ।

### २. बाली लगाउन सहजता र एकनाशको बाली हुने

खासगरी छरुवा खेती गर्न सहज हुन्छ । बालीको अझ्कुरण एकनाशको हुने र बोटको वृद्धि विकास समान रूपले हुन्छ । मलको सदुपयोग हुन्छ र बाली एकनाशले पाकदछ ।

### ३. कम लागतमा खेती

खेती गर्दा लागत कम लाग्छ । समय, श्रम, इन्धन र पैसा बचत हुन्छ । जस्तै छरुवा धान खेती (जमिनसम्म भएकाले) गर्दा एक बिधामा लगभग २० जनासम्म कम ज्यामी लाग्छ । सिंचाइ गर्दा २५% सम्म पानीको बचत हुन्छ । ४०% सम्म भारपातहरू कम आउँछन् साथै ७५% सम्म भारपात गोडन लाग्ने ज्यामी खर्च घटाउँछ ।

### ४. सिंचाइको कार्यक्षमतामा बृद्धि साथै भारपात व्यवस्थापन

पानीको एकनाशले वितरण हुन्छ जसले गर्दा सिंचाइ गर्न लाग्ने समय र पानीको बचत हुन्छ । साथै यस मेशिनबाट आवश्यकता अनुसार जमिनको ढल्काई मिलाउन सकिन्छ । माटोको पानी बचाइराख्ने क्षमतामा सुधार आउँछ । भारपातको समस्या कम हुन्छ साथै भारपात व्यवस्थापन गर्न सजिलो हुन्छ ।

### ५. मेशिन प्रयोगमा सहजता

विभिन्न कृषि औजारहरु जस्तै : सिडिल मेशिन, रिपर, कम्वाइन हार्भेस्टर, ट्रान्सप्लान्टर, ट्र्याक्टर आदि प्रयोग गर्न सहज हुन्छ र उक्त मेशिनहरुको कार्यक्षमता बढाउँछ ।

### ६. खेतीयोग्य जमिनमा वृद्धि

लेजर लेभलर मेशिनले जमिन सम्याउँदा खेतमा भएका आलीको संख्या घट्न गई खेती गर्न मिल्ने जमिन बढ्छ । तीन कठ्ठा जमिनलाई बढाएर १५ कठ्ठासम्म पुऱ्याउँदा लगभग ५ देखि ७% ले खेती गर्ने जमिन बढ्छ ।

## लेजर ल्याण्ड लेभलर सञ्चालनका चरणहरू :

**पहिलो चरण-** जमिनलाई जोले : ठूलाठूला डल्ला तथा हिलो नहुने खालको माटोमा ठिक्कको चिस्यान भएको बेला जगालाई केन्द्रबाट बाहिरपट्टि जोत्नुपर्दछ । माटोलाई बकेटमा बहन दिनका लागि जमिनको सतहमा भएका अवशेषहरु काट्ने तथा हटाउने गर्नुपर्दछ ।

**दोस्रो चरण-** अग्लो तथा होचो जमिनको भागलाई चिन्ह लगाउने : जमिनको सतह निरीक्षण गरेर जमिनको अग्लो होचो भागहरुको रेकर्ड राख्नुपर्दछ । सबै ठाउँको उचाइको नापलाई जोडेर जति वटा नाप मापन गरियो । त्यो संख्याले भाग गरेर औसत उचाइको नाप पत्ता लगाउने । त्यसपछि उक्त जमिनको औसत उचाइ पर्ने ठाउँ पत्ता लगाउनुपर्छ र ट्र्याक्टरलाई सोही ठाउँमा लगेर अन्य सेटिङ्हरु मिलाउनुपर्छ ।

## तेस्रो चरण - जग्गा समथर बनाउने :

- ▶ ट्रान्समिटरलाई समथर जग्गाको बिचतिर पर्ने गरी जमिनको बाहिर राख्ने अनि पावर अन गर्ने । यसको उचाइ ट्र्याक्टरको छतभन्दा माथि राख्ने, जसले गर्दा छत अगाडि भएको बेला ट्रान्समिटरबाट रिसिभर छेकिदैन ।
- ▶ लेजर लेभलरको बकेटलाई जमिनको औसत उचाइमा लगेर कटिङ ब्लेड जमिनको सतह भन्दा १-२ सेन्टिमिटर हल्का माथि हुने गरी सेट गर्ने । यसो गर्दा रिसिभरमा हरियो बत्ती बल्ने उचाइमा मिलाउने ।
- ▶ रिसिभरमा हरियो बत्ती बलेपछि कन्ट्रोल प्यानलमा अटो स्वीच अन गर्ने र ट्र्याक्टरलाई जमिनको उच्च भागबाट होचो भागतर्फ बृत्ताकार हुने गरी चलाउने ।
- ▶ माटोले बकेट भरिन लाग्ने बित्तिकै ट्र्याक्टरलाई होचो भूभागतिर लैजाने र बकेट खाली गरेर पुनः उच्च भागतिर लैजाने । अन्तिममा जमिनको उच्च भागदेखि होचो भाग सम्म एउटा लामो सम्याउने पास लैजाने ।
- ▶ चाहिएको स्तरसम्म सही तरिकाले जग्गा समथर भयो भएन एकपटक पुन निरीक्षण गर्ने, नभएको भए फेरि उही तरिका अपनाई सम्याउने ।

**चौथो चरण - मेशिनलाई सुरक्षित तरिकाले थन्काउने :** काम सकिएपछि लेजर ट्रान्समिटर, लेजर रिसिभर, कन्ट्रोल बाकसलाई सुरक्षित तरिकाले राख्ने । साथै बकेटको भागलाई समेत घामपानीबाट जोगिने गरि भण्डारण गर्ने ।

## कार्य क्षमता:

- ▶ यसबाट १ बिघा (२० कठा) जमिन सम्याउन लगभग ४ देखि ७ घन्टाको समय लाग्छ ।
- ▶ जग्गा सम्याउन लाग्ने समय जग्गाको आकार, क्षेत्रफल, माटोको चिस्यान, खेतमा रहेका बाली अवशेष तथा चालकको सीप अनुसार फरक पर्न सक्छ ।

## लेजर ल्याइट लेमलरमा आइपन्ने रिमिञ्ज समर्थ्याको कारण तथा समाधान:

|   |  |
|---|--|
| बकेट तलमाथि नसरेमा                                | <ul style="list-style-type: none"><li>▶ ट्रान्समिटरले काम गरेको छ कि छैन हेँने ।</li><li>▶ हाइड्रोलिक जडानलाई चेक गर्ने ।</li><li>▶ सोलेनोइडमा विद्युतीय जडान चेक गर्ने ।</li><li>▶ कन्ट्रोल भल्भमा प्रेसर रिलिभ भल्भको सेटिङ हेँने ।</li><li>▶ हाइड्रोलिक तेल पास पाइपमा कुनै फोहोर जमेर बसेको छ कि हेँने ।</li></ul> |
| बकेटले जग्गाको कुनैकुनै ठाउँमा प्रतिक्रिया नदिएमा | <ul style="list-style-type: none"><li>▶ ट्रान्समिटर र रिसिभरबीचको दृष्टि रेखा छेकिएको हुनसक्छ</li><li>▶ रिसिभर र ट्र्याक्टरको क्याविन एउटै उचाइमा छ ।</li><li>▶ लेजरका किरणहरु रिसिभरको उचाइ भन्दा तल अथवा माथि पुगेर हुनसक्छ ।</li></ul>  |

|   |  |
|---|--|
| रिसिभरमा दुबै रातो बत्ति एकै साथ बलेमा              | <ul style="list-style-type: none"> <li>► ट्रान्समिटरबाट लेजर आए नआएको हेर्ने ।</li> <li>► रिसिभरको उचाइ लेजरका किरणहरू भन्दा धेरै तल अथवा माथि पुगेको हुनसक्ने भएकाले ।</li> <li>► रिसिभरलाई तल माथि गराउने ।</li> </ul> |
| कन्ट्रोल प्यानलमा पावर नआएमा                        | <ul style="list-style-type: none"> <li>► ट्र्याक्टरको ब्याट्री जोडिएको तार छुटेको हुन सक्ने वा तार जोड्ने ठाउँ सफा गर्ने ।</li> <li>► कन्ट्रोल प्यानलको फ्युज चेक गर्ने र जलेको भए फेर्ने ।</li> </ul>                   |
| ट्रान्समिटरले लेजर नफालेमा                          | <ul style="list-style-type: none"> <li>► ट्रान्समिटरको ब्याट्री सकिएको हुन सक्छ, चेक गर्ने ।</li> <li>► ट्रान्समिटरलाई धेरै भिरालो गरि राखिएको हुनसक्छ, त्यसको त्रिपद स्ट्रान्डलाई मिलाउने ।</li> </ul>                  |
| जमिन असमान भएमा या नसमिम्मएमा                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>► ट्र्याक्टर बढि दौडियो ।</li> <li>► उद्ने र फर्ने काम निकै बिस्तरै भयो ।</li> </ul>  |
| जमिन नसमिम्मएमा तथा गलत तरिकाले भिरालो बनाउन शालेमा | <ul style="list-style-type: none"> <li>► जमिनको समथरता चेक गर्ने ।</li> <li>► ट्रान्समिटरको क्यालिब्रेसन चेक गर्ने ।</li> <li>► बकेटले काट्न नसक्ने गरी माटो एकदम खाँदिएको हुनसक्छ ।</li> </ul>                          |
| बकेटले माटो नछोडेमा                                 | <ul style="list-style-type: none"> <li>► माटो निकै चिसो छ ।</li> <li>► माटोमा धेरै बाह्य चिजहरू जस्तै भारपात, नल-पराल मिसिएको छ ।</li> </ul>   |
| बकेटको चक्का जमिनबाट माथि उठेमा                     | <ul style="list-style-type: none"> <li>► माटो धेरै खाँदिएकाले बकेट माटोभित्र जाननसकेको, त्यस ठाउँमा थप जोताइ गर्ने ।</li> </ul>  |

## ५. पावर टिलरबाटे जानकारी तथा सुरक्षित सञ्चालन चिधि

पावर टिलर भन्नाले दुई पाइय्ये हाते सानो ट्र्याक्टर हो । पावर टिलर एउटा यस्तो कृषियन्त्र हो जसद्वारा जमिन जोत्न, माटोलाई मसिनो बनाउन, बीउ छर्न, गोइन साथसाथै पानी ताने, धान गहुँ काट्ने आदि जस्ता काम छिटो, कम लागतमा र कम जनशक्तिबाट गर्न सकिन्छ । यसमा चढेर/बसेर पनि चलाउन सकिन्छ ।



चित्र २ : पावर टिलर

**पावर टिलरका भागहरू :** डिजल ट्र्याङ्की, पानी ट्र्याङ्की, इन्जन, चेसिस फ्रेम, कन्डेन्सर, साइलेन्सर, एयर फिल्टर, अगाडिको चक्का, गियर बक्स, क्लच लिभर, चेन कभर, एक्सलेरेटर, पछाडिको चक्का, सिट, आदि ।

### **मैट्रिजका विद्युषताहुँच :**

- ▶ १२ हर्ष पावर देखि २२ हर्ष पावर क्षमता भएको बजारमा उपलब्ध छ ।
- ▶ यसमा हाइ र लो गियरहरू साथै ब्याक गियर पनि छ । यसलाई मोइनलाई दुवै चक्कामा अलग अलग दिइएको क्लच दबाउनुपर्छ र चालक बस्ने सिटमुनिको चक्का पनि घुमाउनुपर्छ ।
- ▶ यसबाट जोताइका साथै पानी तान्ने, गोडाइ गर्ने, धान गहुँ काट्ने आदि जस्ता काम गर्न सकिन्छ ।
- ▶ यसको तौल ३५० के.जी. देखि ५०० के.जी.सम्म हुन्छ ।
- ▶ यसको प्रयोग ठूला र मध्यम फाँटमा गर्न सकिने हुँदा नेपालको तराई भागमा यो उपयुक्त मानिन्छ ।
- ▶ यसमा ट्र्ली जोडेर पनि वस्तु ढुवानी गर्न सकिन्छ ।

### **कार्य क्षमता :**

- ▶ पावर टिलर जडित मकै छर्ने सिड ड्रिल मेशिनद्वारा प्रतिबिधा २ देखि ३ घण्टासम्म समय लाग्दछ ।
- ▶ पावर टिलरद्वारा जमिन जोत्न प्रतिबिधा २ घण्टामा सजिलै सकिन्छ ।
- ▶ ट्र्ली जडित पावर टिलरले एक पटकमा २० देखि ३० क्वीन्टलसम्म सामान ढुवानी गर्न सकिन्छ ।
- ▶ रिपर जडित पावर टिलरले ५ देखि ८ कठ्ठा ४५ मिनेटदेखि १ घण्टामा सजिलै गहुँ धान काट्न सकिन्छ ।

### **तुलनात्मक मार्गिक विश्लेषण :**

- ▶ पावर टिलर जडित मकै छर्ने सिड ड्रिल मेशिनद्वारा प्रतिबिधा २ देखि ३ घण्टासम्म गर्न रु. १४००/- देखि रु. १६००/- लाग्छ भने गोरुद्वारा प्रतिबिधा २ देखि ३ दिनसम्म लाग्छ जुन दोब्बर खर्च लाग्छ ।
- ▶ प्रतिघण्टा रु. ८००/- रिपर जडित पावर टिलरले ५ देखि ८ कठ्ठा ४५ मिनेट देखि १ घण्टामा सजिलै गहुँ काट्न सकिन्छ भने हातले काट्न १ बिघालाई २ देखि ३ दिनसम्म लाग्छ जुन दोब्बर खर्च लाग्छ ।
- ▶ प्रति बिधा जमिन जोत्न प्रतिघण्टा रु. ७००-८०० को दरले २ घण्टामा रु. १४००-१६०० मा सजिलै सकिन्छ । सोही जग्गामा हलोले जोत्न २ दिनसम्म लाग्न सक्छ ।

### **पावर टिलर सञ्चालन गर्नु भज्दा पूर्चको तयारी**

- ▶ मोबिल जाँच गर्ने ।
- ▶ डिजल वा पेट्रोल जाँच गर्ने ।

- ▶ पानी ट्याङ्कीमा पानी भर्ने, फलाम तत्व बढी हुने हुनाले सकभर ट्युववेलको पानी नहाल्ने र पोखरी, खोला आदिको सफा पानी प्रयोग गर्ने ।
- ▶ गियर आयल जाँच गर्ने ।
- ▶ भी बेल्टको अवस्था हर्ने (एक इन्च भन्दा धेरै दब्नु हुँदैन) ।
- ▶ टायरमा हावाको प्रेसर जाँच गर्ने (१२.५ देखि १५.५) ।
- ▶ क्लच, ब्रेक र एक्सलरेटर जाँच गर्ने ।
- ▶ खुकुलो हुन सक्ने नट बोल्ट, पुल्ली, चेन, फाली, पिन आदि जाँच गर्ने ।

#### **पाचद टिलाद एटार्ट गएसकेपछि चलाउँदा ध्यान दिनुपर्ने कुटाहरु द सुइष्ठाका उपायहरु :**

- ▶ इन्जन चलेको अवस्थामा पानी ट्याङ्कीमा पानी नहाल्ने ।
- ▶ इन्जन प्रत्येक ८ घन्टा चलाएपछि डिजेल जाँच गर्ने र फिल्टर प्रयोग गर्ने ।
- ▶ प्रत्येक ३० घन्टा चलाएपछि पुरानो मोविल फालेर नयाँ मोविल लगाउने । (एस.ए.इ.४० ग्रेडको मोविल लगाउने)
- ▶ प्रत्येक २०० घन्टा चलाएपछि एयर र फ्ल्युल फिल्टर फेर्ने ।
- ▶ प्रत्येक १५०० घन्टा चलाएपछि इन्जन पुरै खोलेर चलाउने ।

#### **पाचद टिलालाई थज्ज्याएद दाख्दा ध्यान दिनुपर्ने कुटाहरु**

- ▶ मैसिनमा लागेको फोहर सफा गरेर राख्नुपर्दछ ।
- ▶ ट्याङ्कीको तेल बने स्वीचलाई बन्द गरी राख्नुपर्छ ।
- ▶ मैसिनलाई सधै न्युट्रलमा राख्ने ।
- ▶ मैसिनलाई सधै छाप्रोमुनि घाम, पानी, धुँवा, धुलो, शित आदिबाट जोगाएर सुख्खा ठाउँमा राख्नुपर्दछ ।

#### **लामो समयसम्म भण्डारण गर्ने भए निर्जन कुटाहरुमा ध्यान दिनुपर्दछ :**

- ▶ पावर टिलरलाई राम्ररी सफा गरी खिया लाग्न सक्ने पार्टपुर्जाहरुमा तेल, ग्रीज वा मोविल आदिको प्रयोग गरी राख्नुपर्दछ ।
- ▶ यसका चककाहरुमा पूरा हावा भेर राख्ने जसले गर्दा टायर र ट्युबको नोक्सानी हुनबाट जोगाउँछ ।
- ▶ ट्याङ्कीको तेल पूर्णरूपमा खाली गरेर राख्नु हुँदैन र तेल बन्द गरी राख्नुपर्छ ।
- ▶ प्रत्येक १०-१५ दिनको फरकमा १०-१५ मिनेटसम्म इन्जनलाई मात्र चलाइराखेमा पावर टिलरको कन्डिसन राम्रो हुन्छ ।

## पावर टिलरको क्लचमा समस्या आएमा के गर्ने ?



चित्र ३ : पावर टिलरको क्लचमा देखिएको समस्या

पावर टिलरमा धेरैजसो क्लचमा समस्या आउने पाइएको छ । यदि क्लच तान्दा पनि गाडी गुडी राखेमा क्लचको फिङ्गरलाई कस्ने । त्यो अवस्थासम्म कस्ने जुनबेला क्लच लिभर अड्काउने ठाउँबाट अलिकति यसलाई तल भार्ने बित्कै गाडी अगाडि गुडोस् । यदि फिङ्गर कस्दा पनि भएन भने क्लच प्लेटनै खोलेर सफा गर्ने अनि फेरी क्लचको फिङ्गरलाई माथि भनेभै मिलाएर कस्ने ।

## पावर टिलरको गियर लिभर अड्किएमा कसाई समाधान गर्ने ?



चित्र ४ : पावर टिलरको गियर लिभर अड्किएको अवस्था

गियर लिभरले काम नगरेमा माथिबाट ह्यान्डल पुरै खोल्ने अनि गियर लिभर छुटाउने । यस पश्चात गियर बक्सको माथिको ढक्कन खोल्ने । गियर लिभरलाई विस्तारै आफ्नो ठाउँमा रहे नरहेको हर्ने । गियर लिभरको टुप्पो गोलो हुन्छ र यो बस्ने एकै किसिमको घर हुनाले यसको अवस्था सजिलै थाहा हुन्छ । यदि यो आफ्नो घर वा खाँचामा नरहे यसलाई त्यहाँ मिलाएर लगाउने । कहिलेकाही

कुनै गियर एकातिर लागेपछि माथि उल्लेखित कारण बाहेक अन्य कारणले पनि त्यही बसी रहेको हुनसक्छ । यो अवस्थामा गियरलाई आफैले सार्ने र त्यसपछि गियर लिभरको मद्दतले सारेर चेक गर्ने । यसरी गियर अड्केको समाधान गरी पुनः सबै सामान पुरानै अवस्थामा विचार गरेर जोड्ने ।

### **३. ट्र्याक्टर बाटे जानकारी तथा सुरक्षित सञ्चालन विधि**

ट्र्याक्टर एउटा कृषि यन्त्र हो जसलाई विभिन्न प्रयोजनका लागि बहुउपयोगी साधनको रूपमा लिन्छ । यो कृषि क्षेत्रमा मात्र नभई व्यावसायिक ढङ्गले जस्तै सामानहरु दुवानी लगायतको निर्मित पनि प्रयोगमा आउँछ । यो मूलत दुई किसिमका हुन्छन् : हाइड्रोलिक र नन हाइड्रोलिक । ट्र्याक्टर विशेषतः ढिलो गतिमा उच्च भार तान्ने क्षमता दिलाउने गरी निर्माण गरिएको हुन्छ । यसमा स्टरीड, पावर युनिट, ट्रान्समिसन युनिट, ड्राइभ युनिट, डिफरियन्सल युनिट आदि हुन्छन् ।



चित्र ५ : ट्र्याक्टर

#### **ट्र्याक्टरका विद्योषताहरू :**

- ▶ यो कृषि औजारमा विभिन्न अन्य औजारहरु जस्तै: कलिटभेटर, डिक्स हेरो, रोटाभेटर, सिड ड्रिल, रिपर, थ्रेसर जस्ता मेशिनलाई जोडेर चलाइन्छ ।
- ▶ यो विभिन्न हर्ष पावरमा उपलब्ध हुन्छ ।
- ▶ यसमा ट्रॅल जोडेर सामानहरु दुवानी गर्न सकिन्छ ।
- ▶ यसबाट अन्य सानो ट्र्याक्टरभन्दा धेरै छिटो र कम मूल्यमा जोत्न, बाली छर्न, बाली काट्न, दाउन, सामानहरु दुवानी गर्न सकिन्छ ।

## ट्र्याक्टरलाई कसाई लानो रामय राही किंडिनमा राख्ने ?

नयाँ ट्र्याक्टर लिएपछि त्यसलाई राप्रो अवस्थामा राख्न निम्न कुरामा ध्यान दिनुपर्छ :

- ▶ ट्र्याक्टरलाई सुरुमा ५० घन्टा चलाएपछि सर्भिसिड गराउने । यसमा पहिले ट्र्याक्टरलाई राप्रोसँग धुने र इन्जिनमा लाग्ने मोबिल फेर्ने । यसको एयर फिल्टर सफा गर्ने, त्यस्तै फ्युल फिल्टरबाट दुषित डिजेल निकाल्ने । हाइड्रोलिक आयल फिल्टर बदल्ने, ट्रान्समिसन आयल र कुलेन्ट जाँचेर कम भए थप्ने । यसको नट बोल्ट, टायर प्रेसर आदि चेक गर्ने ।
- ▶ ट्र्याक्टरको दोस्रो सर्भिसिड २५० घन्टामा वा तीन महिनाभित्र जुन पहिले हुन्छ गर्ने । त्यसपछिका प्रत्येक २५० घन्टामा अन्य सर्भिसिड गराउने ।
- ▶ प्रत्येक दिन : तेल, हावा, नटबोल्ट, कल्च, ब्रेक, ग्रीज, रेडियटरको पानी, मोबिल आदि जाँच गर्ने ।
- ▶ प्रत्येक हप्ता : एयर फिल्टर सफा गर्ने, त्यसको तेल जाँच, एयर कुलिङ सिस्टम सफा गर्ने ।
- ▶ २-३ महिनामा : मोबिल फेर्ने, मोबिल फिल्टर, फ्युल फिल्टर, हावा फिल्टर, साइलेन्सर पाइप सफा गर्ने ।
- ▶ १-२ वर्षमा : आवश्यक परे इन्जिन खोलेर जाँच, नोजल जाँच वा फेर्ने, मोबिल र डिजल पाप्प सफा गर्ने ।

## ख. बीउ मलखाद छनौ मेशिनहरू

### प. मकै लगाउने चाइनिज सिड ड्रिल मेशिन (Corn planter)

यो मेशिन चीनबाट नेपालमा भित्र्याइएको हो । यसलाई चारपाँचे ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउन सकिन्छ । यसका पार्टपुर्जाहरु धातु एवम् प्लाष्टिकबाट बनाइएका छन् । मलखाद राख्ने बाकसको भित्री भाग स्टेनलेस स्टीलले बनेको हुनाले खिया लाग्दैन । साथै बीउ बोक्ने बाकस होचो भागमा हुनाले मकै एकनासले खस्दछ । नेपालमा उपलब्ध यस मेशिनले एक पटकमा तीन लाइन मकै र मलखाद छर्दछ ।



चित्र ६ :मकै लगाउने चाइनिज सिड ड्रिल मेशिन

## मैटिजनका विद्योषताहुँच :

- ▶ मकै लगायत बोटदेखि बोटको दूरी टाढा हुने अन्य बाली छर्न मिल्ने मेशिन ।
- ▶ बीउ र मल (डिएपी) एकैपटक लाइनमा छर्न सकिने ।
- ▶ खनजोत गरिएको खेतमा वा विना खनजोत भार नभएको जमिनमा समेत मकै लगाउन सकिने ।
- ▶ बीउ र मल (डिएपी) लाई जमिनमा चिस्यानको अवस्थालाई विचार गरी गहिराइ मिलाएर छर्न सकिने ।
- ▶ यस मेशिनले बीउ मल छेको लाइनमा सानो कुलेसो बनाउने हुनाले हिउँदे तथा बसन्ते मकैमा चिस्यान कायम रहन्छ ।

**झामता :** १ घण्टामा करिव १५ कठ्ठा देखि १ बिघा छर्ने ।

## आर्थिक प्राइदा :

- ▶ यही काम हल गोरुबाट गराउँदा रु. ५५००-६००० (३ हलगोरु र २ बीउ हाल्ने ज्यामी) लाग्छ र मान्छेले लाइनमा लगाउँदा १० जना लाग्छ ।
- ▶ मेशिनबाट सस्तो र छिटो हुन्छ । जसले गर्दा खेती लागत घट्न जान्छ ।

## ५. बिना खनजोत मर्कै, धान, गहुँ, मुखुयो आदि धने मैटिजन (ZERO-TILL SEED DRILL)



चित्र ७ :बीउ मल छर्ने सिड ड्रिल मेशिन

नेपालमा उपलब्ध यी मेशिनहरु मुख्यतया भारतबाट आयात गरिएका हुन् । यस्ता मेशिनहरु चारचक्के र दुईचक्के ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउनु पर्ने हुन्छ । यो मेशिन अधिल्लो बाली काटिसकेपछि खनजोत नगरेको जमिन वा खनजोत गरेको जमिन दुवैमा प्रयोग गर्न सकिन्छ । यो मेशिनको फालीहरु उल्टो टि आकारको र तिखो परेको हुन्छ । यस्तो मेशिनहरु मध्ये केहीमा मकै छर्नका लागि अलग्गै बाकस तथा बीउ खसाउने प्रणाली हुन्छ भने केहीमा मकै लगायत अरु विभिन्न बालीहरु एउटै किसिमको बीउ खसाउने प्रणालीमा विभिन्न सेटिङ्मा राखेर छर्न सकिन्छ । खासगरि नेपालमा उपलब्ध यस्ता मेशिनहरुमा निम्न तीन प्रकारका बीउ खसाउने प्रणाली पाइन्छ :

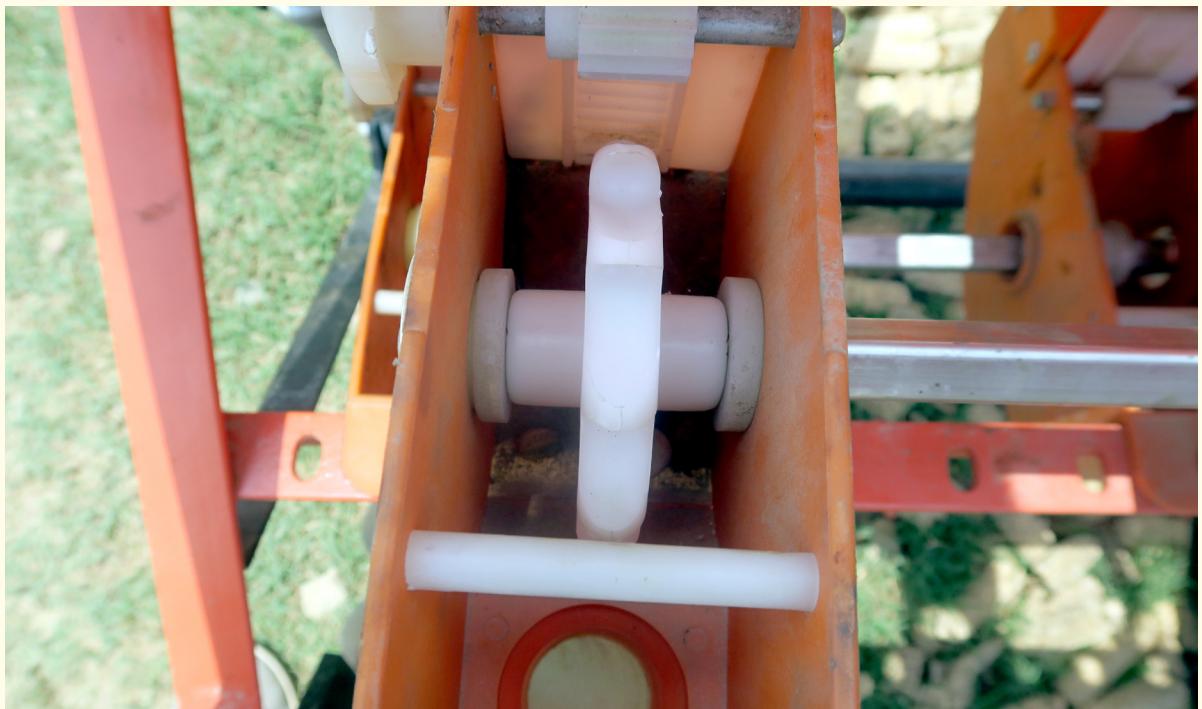
| बीउ खसाउने प्रणाली | फ्लुटेड रोलर   | इन्वलाइन्ड प्लेट   | भर्टिकल रोटर   |
|--------------------|--|--|--|
| विशेषताहरु         | लाइनमा लगातार बीउ खसाउनुपर्ने बाली जस्तै: गहुँ मुसुरो आदिका उपयुक्त । लामो तथा दूलो बीउहरु काटिने भएकाले छर्न सकिदैन । | लाइनमा टाढा टाढा दूरी राखेर छर्नुपर्ने बाली जस्तै: मकै, धान, भटमास, मुड आदिका लागि उपयुक्त । विभिन्न साइजका प्लेटहरु परिवर्तन गरेर विभिन्न बालीहरु छर्न सकिन्छ । | लाइनमा लगातार बीउ खसाउनुपर्ने बाली जस्तै: गहुँ, मुसुरो आदिका लागि उपयुक्त । साथै निश्चित दूरीमा छर्नुपर्ने बाली जस्तै: मकै, भटमास, भिन्डी, सूर्यमुखी, बदाम, एवम् लसुन समेत सेटिङ परिवर्तन गरेर छर्न सकिन्छ । |



चित्र ८ : फ्लुटेड रोलर बीउ छर्ने मिटर



चित्र ९ : इन्क्लाइन्ड प्लेट बीउ छर्ने मिटर



चित्र नं. १० : भर्टिकल रोटर बीउ छर्ने मिटर

माथिको तालिकामा लेखिए बमोजिम आफ्नो आवश्यकताका आधारमा बीउ छर्ने मेशिनको छनोट गर्नुपर्दछ ।

## अन्य विशेषताहरू :

- ▶ बीउ र मल (डिएपी) एकैपटक लाइनमा छर्न सकिने ।
- ▶ जति दूला प्लट (गङ्गा) भयो उति धेरै काम छिटो हुन्छ ।
- ▶ बीउ र मल (डिएपी) लाई खेतको चिस्यान अवस्था हेरी तल वा माथि छर्न सकिन्छ ।

**क्षमता :** १ घण्टामा करिव १५ कठादेखि १ बिघा छर्ने ।

## तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण :

- ▶ यही काम हलगोरुबाट गराउँदा प्रतिबिधा रु. ५५००-६०००/- (३ हलगोरु र २ बीउ हाल्ने ज्यामीको खर्च) लाग्छ र मान्छेले लाइनमा लगाउने हो भने १० जना ज्यामी लाग्छ ।

## बीउ, मल धर्ने मैशिन प्रयोगका लागि तथाए कसाई गर्ने ?

- ▶ सर्वप्रथम सिड ड्रिल मेशिनमा जोडिएका फालीहरुको दूरी मिलाउने ।
- ▶ बीउ र मल राख्ने बाकसदेखि फालीसम्म बीउ मल झार्नका लागि पाइपहरु राखिएको हुन्छ । उक्त पाइपहरु मिलाएर बीउ मल नअडिक्ने गरि राखिएको छ कि छैन चेक गर्ने ।
- ▶ बीउ र मल कर्ति मात्रामा खस्छ थाहा पाउनका लागि कस्तो बीउ खसाउने प्रणाली उक्त मेशिनमा रहेको छ सोही अनुसार मेशिनमा दिइएको सुचना बमोजिम सेटिङ मिलाउने । जस्तै : सामान्यतया बीउ छर्ने मेशिनमा कुन बालीका लागि कर्ति नम्बरको प्लेट वा रोटर राख्ने वा लिभरलाई घुमाएर कर्ति नम्बरमा राख्ने भन्ने जानकारी दिइएको हुन्छ ।
- ▶ बीउ राख्ने बाकसमा बीउ राखेर सिड ड्रिल मेशिनमा भएको ड्राइभ चक्कालाई १० फन्का घुमाउँदा कर्ति बीउ पाइपबाट खस्छ तौल लिएर प्रति इकाई क्षेत्रफलमा खस्ने बीउको मात्रा हिसाब गर्ने । यदि सिफारिस गरिएको बीउको मात्रा भन्दा निकै कम वा बढी बीउ खस्ने देखिएमा फेरि नयाँ सेटिङ गर्ने र बीउ कर्ति खस्छ दोहोच्याएर चेक गर्ने ।
- ▶ बीउ खस्ने दर मिलेपछि डिएपी मलको मात्रा पनि बीउको मात्रा मिलाए जसरी नै निकाल्ने ।
- ▶ गहिराइ मिलाउने चक्का र फालीको बीचमा रहेको गहिराइ अन्तर विचार गरी कुन बाली लगाउने हो सोही अनुरूप उक्त चक्कालाई तल वा माथि सारेर गहिराइ मिलाउने । जस्तै : मकैको लागि ५ देखि ७ से.मि. गहिराइ हुनुपर्दछ ।
- ▶ सिड ड्रिलमा दिइएको जानकारी अनुसार तेल वा लुब्रिकेन्ट लगाउनुपर्ने ठाँउमा लगाएर छोड्ने ।
- ▶ सिड ड्रिललाई ट्र्याक्टरमा जोड्दा टपलिंक मिलाएर जोड्ने जसले गर्दा अगाडिको फाली र पछाडिको फाली एकैनाशले जमिनमा गढ्छ र बीउ मल पनि एकै गहिराइमा खस्दछ ।

## उत्तर एकजो समस्याहरणः

- ▶ ट्र्याक्टर फर्किँदा वा ब्याक गर्दा फालीमा माटो परी बन्द हुन्छ जसले गर्दा बीउ र मल पाइपबाट खस्दैन ।
- ▶ बीउ अनुसार मेशिनको प्लेट वा रोटरलाई परिवर्तन नगर्दा धेरै वा थोरै बीउ भर्ने समस्याहरु आउँछ ।
- ▶ मेशिनमा रहेको ग्राउण्ड चक्राको चेन लुज हुँदा चक्रका नघुमेर बीउ र मल पाइपबाट खस्दैन ।
- ▶ मलखाद राम्रोसँग ननिकाल्दा मलखादले बाकसमा खिया परी जाम हुने समस्याहरु आउँछ ।

## बीउ छर्दा वा खरिस्केपछि ध्यान दिनुपर्ने कुटाहरणः

- ▶ बीउ छर्दा सकेसम्म कम गतिमा ट्र्याक्टर चलाउनुपर्दछ जसले बीउ मल एकनासले छर्न मद्दत गर्छ ।
- ▶ ट्र्याक्टर चालक बाहेक कमितमा अर्को एकजना व्यक्तिले बीउ मल पाइपबाट खसेको छ कि छैन अथवा पाइप टालिएको छ कि छैन चेक गरिराख्नुपर्छ ।
- ▶ ट्र्याक्टरलाई पछाडि लग्नुपरेमा पहिले सिड ड्रिललाई हाइड्रोलिकको सहायताले उठाएर मात्र लग्नुपर्दछ ।
- ▶ बीउ छर्ने काम सकिएपछि मल र बीउ सिड ड्रिलबाट निकालेर राख्नुपर्दछ । अन्यथा मल पर्निएर जाम हुने वा धातुजन्य पार्टपुर्जामा खिया लागेर बिग्रने समस्या हुन्छ ।
- ▶ सिड ड्रिल मेशिनलाई घाम र पानीबाट जोगाएर राख्नुपर्दछ । यो मौसमी कृषियन्त्र भएकाले काम नहुने सिजनमा ओत लाग्ने ठाउँमा सुरक्षित तरिकाले राख्नुपर्दछ ।

## ३. पावर टिलरमा जोडेद चलाउने सिड ड्रिल मेशिन

पावर टिलर (दुई चक्रे ट्र्याक्टर) मा जोडेर चलाउन सकिने बीउ मल छर्ने मेशिनहरु विभिन्न ब्राण्ड तथा विभिन्न किसिमका बीउ खसाउने प्रणाली भएका छन् । सामान्यतया नेपालमा तीन किसिमका पावर टिलरबाट चल्ने सिड ड्रिल मेशिनहरु प्रयोगमा आएका छन् :

- ▶ रोटरी सिड ड्रिल
- ▶ जिरो टिल सिड ड्रिल
- ▶ साधारण सिड ड्रिल

| सिड ड्रिलका प्रकार | रोटरी सिड ड्रिल  | जिरो टिल सिड ड्रिल  | साधारण सिड ड्रिल   |
|--------------------|--|---|--|
| विशेषताहरु         | यस मेशिनले एकै पटकमा जोत्ने, लाइनमा बीउ मल छर्ने र पाटा लगाउने काम गर्दछ । यसमा खासगरी फ्लुटेड रोलर बीउ खसाउने प्रणाली राखिएको हुन्छ । बाँझो जमिनमा एकै पटकमा सबै काम गर्न सकिन्छ । खासगरी गहुँ, मुसुरो र धान छर्न सकिन्छ । मकै छर्नका लागि छुट्टै बीउ खसाउने प्रणाली हुनुपर्छ । | यो मेशिनले जोतेको वा नजोतेको जमिनमा बीउमल छर्न सक्छ । यस्तो मेशिनमा खासगरी भर्टिकल रोटर बीउ खसाउने प्रणाली राखिएको हुन्छ । यस मेशिनले मकै, गहुँ, धान, मुसुरो, सुर्यमुखी लगायतका बाली छर्न सकिन्छ । विभिन्न साइजका रोटरहरु परिवर्तन गरेर बीउदर मिलाउन सकिन्छ । | यो मेशिनमा साधारण फ(ली हुन्छ जसले जोतेको जमिनमा मात्र काम गर्छ । यस्तो मेशिनमा खासगरी फ्लुटेड रोलर बीउ खसाउने प्रणाली राखिएको पाइन्छ । साथै, भर्टिकल रोटर राखेर साधारण फाली जडान भएका सिड ड्रिलहरु पनि उपलब्ध छन् । यस मेशिनबाट मकै, गहुँ, धान, भिण्डी आदि छर्न सकिन्छ । |



चित्र ११ : रोटरी सिड ड्रिल मेशिन



चित्र १२ : जिरो टिल सिड ड्रिल मेशिन



चित्र नं. १३ : साधारण सिड ड्रिल मेशिन

## उच्च विशेषताहरू :

- ▶ साना गरा भएको जमिन जसमा टूलो ट्र्याक्टर चलाउन गाहो हुन्छ त्यस्तो जमिनमा पावर टिलगको सिड द्रिल सजिलो र उपयोगी हुन्छ ।
- ▶ मल र बीउ एकै साथ लाइनमा पर्ने हुँदा मलको समुचित प्रयोग भई उत्पादनमा बढ्दि हुन्छ ।
- ▶ दुईदेखि तीन लाइन मकै छर्न सकिन्छ ।

## क्षमता:

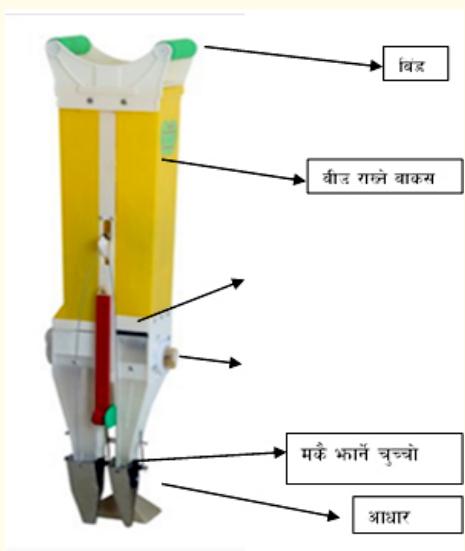
- ▶ यसबाट प्रति घण्टा ५ देखि ७ कट्ठासम्म बीउ छर्न सकिन्छ ।
- ▶ यसमा इन्धनको खपत निकै कम लगभग १ देखि सवा १ लिटर डिजल प्रतिघण्टा हुन्छ ।

## तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण:

- ▶ पावर टिलर जडित मकै छर्ने मेशिनद्वारा प्रतिबिधा २ देखि ३ घण्टासम्म गर्ने रु. १४०० देखि रु. १६००/- लाग्छ भने गोरुद्वारा प्रतिबिधा २ देखि ३ दिनसम्म लाग्छ जुन मेशिनको तुलनामा दोब्बर पर्न जान्छ ।

## ४. ज्याब प्लान्टर (Jab Planter)

यो मकै, बोडी, भटमास, बदाम, केराउ आदि लगाउने हाते मेशिन हो । ज्याब प्लान्टरको सहायताले एकजना ज्यामीले सजिलै माथि उल्लेखित बालीहरु लाईनमा लगाउन सक्छ ।



चित्र १४ : ज्याब प्लान्टर

## उच्च विशेषताहरू :

- ▶ यसले एक घन्टामा औसत एक कट्ठा मकै लगाउन सकिन्छ र ननिहुरी लगाउन सकिने भएकाले ढाड दुख्ने समस्या हुँदैन ।
- ▶ यसलाई चलाउन इन्धन पनि नचाहिने हुदाँ राप्रोसँग जोतेको जमिनमा महिला, केटाकेटी सबैले बाली लाइनमा लगाउन सक्दछन् ।
- ▶ यो मेशिन ज्यादै हलुका हुनाले बोकेर जहाँ पनि सजिलै लैजान सकिन्छ ।
- ▶ बीउको आकार अनुसार बीउ मिटर परिवर्तन गर्न सकिन्छ ।
- ▶ बीउको मात्रा मिलाउन सकिन्छ ।

## प्रयोग चिधि

निश्चित नम्बरको बीउ मिटर र निश्चित गहिराइ मिलाई बीउलाई बीउ राख्ने भागमा राखी बिंडमा दुई हातले विस्तारै बल लगाएर धकेली बीउ उचित गहिराइमा झारिन्छ ।

## बीउ मिटर

ज्याब प्लान्टरको बीउ झार्ने भागलाई बीउ मिटर भनिन्छ । ज्याब प्लान्टरसँग ६ किसिमको बीउ मिटर पाइन्छ (चित्र नं. १४ मा देखाइएअनुसार) तर एक चोटिमा एउटा बीउ मिटर मात्र प्रयोग गर्न सकिन्छ । बीउ मिटरमा १ देखि ६ नम्बरसम्म लेखिएको हुन्छ । १ नम्बर को बीउ मिटर सबैभन्दा ठूलो दाना भएको बीउ लगाउन प्रयोग गरिन्छ भने ६ नम्बरको बीउ मिटरले सबैभन्दा सानो बीउ लगाउँछ । त्यसैले बीउ मिटरलाई बाली अनुसार बदल्नुपर्छ । बीउको एक दाना बीउ मिटरको प्वालमा एउटा मात्र अट्टने खालको बीउ मिटर रोज्नुपर्छ । मकै लगाउनलाई ३ नम्बर लेखिएको बीउ मिटर उपयुक्त हुन्छ । यसरी मिलाई सकेपछि आफूले सानो ठाउँमा प्रयोग गरी हेर्ने र सही ढङ्गले झरेपछि मात्र खेतमा लैजानुपर्छ । यदि आफूले चाहेको मात्रामा बीउ नझरेमा पुनः बीउ मिटर आवश्यकता अनुरूप सानो वा ठूलोमा बदल्नुपर्दछ ।

## बीउ दद (मात्रा) मिलाउने तरिका

ज्याब प्लान्टरको बीउ मिटर छनौट गरेर जडान गरिसकेपछि पनि यसबाट एक चोटिमा एक, दुई या तीन दानासम्म खसाल्ने गरी मेशिनलाई मिलाउन सकिन्छ । तल चित्रमा देखाइएको लिभर त्यही ठाउँमा हुँदा एकचोटीमा एउटा दाना खस्छ । यदि त्यसलाई दायाँ लगाउने हो भने एक चोटिमा दुईवटा दाना खस्छ र यदि कुनैमा नलगाउने हो भने तीनवटा दाना खस्छ ।

## बीउको गहिराइ मिलाउने तटिका

बीउको गहिराइ मिलाउनलाई आसनको आधार भाग जोडिएको फलामको डण्डीमा रहेका विभिन्न दुलोमा आधार भागलाई पेचले कसेर मिलाउन सकिन्छ । सबैभन्दा तलको दुलोमा आधार भागलाई लगाउँदा सबैभन्दा गहिरोमा बीउ जान्छ र क्रमशः आधार भागलाई दुलो भन्दा माथि लगाउँदै जाँदा यत्तिकै मात्रामा दूरीमा गहिराइ घट्छ । आधार भागलाई जोडेपछि आधार भाग भन्दा मकै लगाउने चुच्चो जति तल छ त्यति नै गहिरोमा बीउ जाने भएकाले त्यो दूरी हेरेर गहिराइ मिलाउन सकिन्छ । मकै लगाउँदा ५ देखि ७ से.मी.को गहिराइमा लगाउनुपर्छ ।

### क्षमता :

- ▶ एक जनाले १२ घण्टामा (डेढ दिन) करीव १ बिघा लाईनमा बिउ लगाउने ।
- ▶ इच्छा अनुसार बोट दूरी मिलाउन सकिन्छ ।

### तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण:

- ▶ एक जनाले प्रति ८ घण्टा रु. १००/- को दरले भाडामा लिई चलाउँदा १२ घण्टामा रु.१५०/- मा करीव १ बिघा लाईनमा बीउ लगाउन सकिन्छ भने हातले १ बिघा लाईनमा बीउ निहुरी लगाउने भएकाले ढाड दुख्ने समस्या हुन्छ, समय पनि धेरै लाग्छ ।

### ५. मल, बीउ धने भोले मेशिन (Fertilizer and Seed Spreader)

यो हातबाट चल्ने गेडेमल वा बीउ छर्ने मेसिन हो । विभिन्न प्रकारका गेडेमल लगायत धान, गहुँ, मुसुरो, तोरी आदि बालीहरूको बीउ पनि छर्न सकिने कृषियन्त्र हो ।



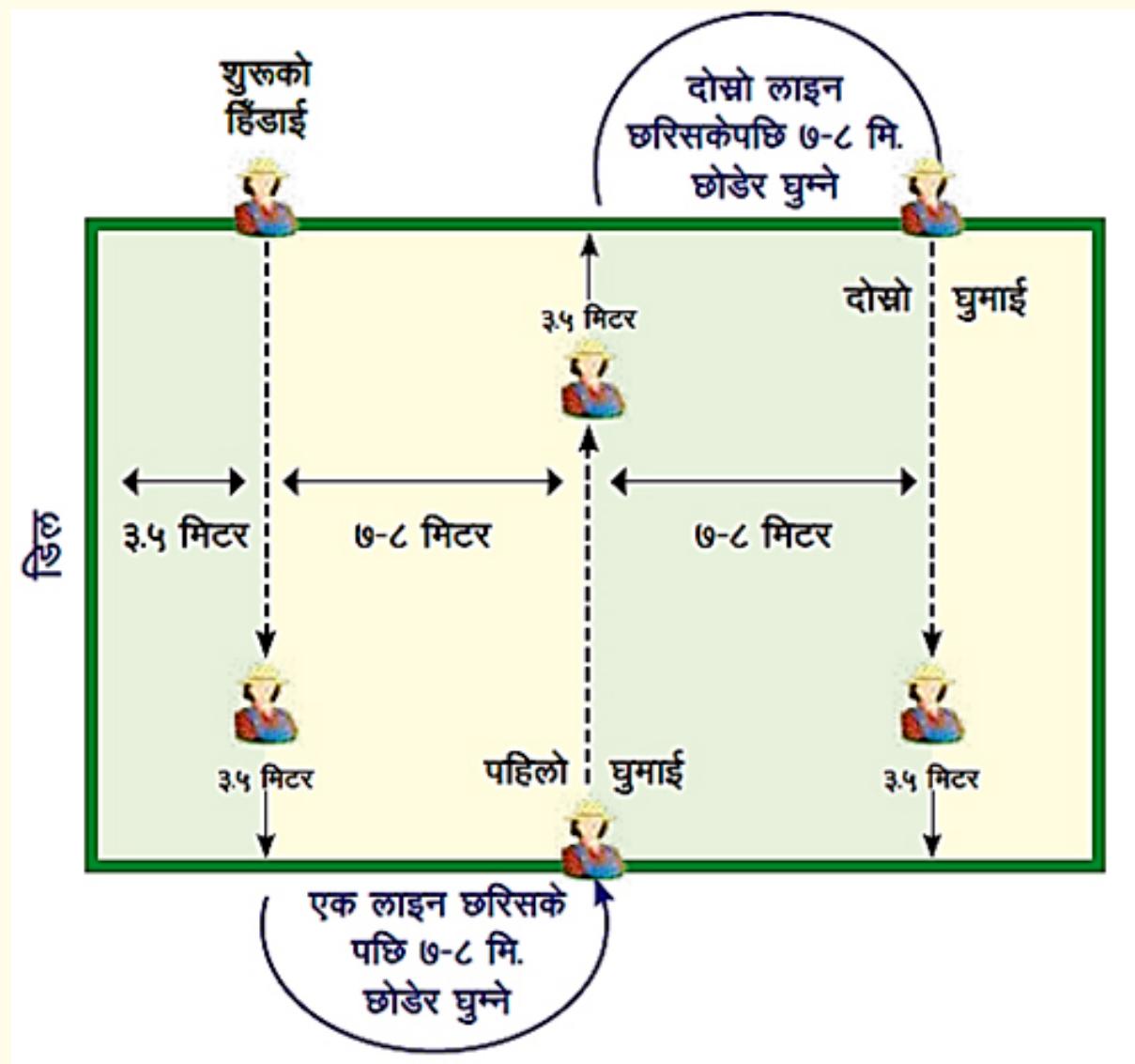
चित्र १५ : मल छर्ने भोले मेशिन

## गेइनका विशेषताहरू :

- यस मेसिनद्वारा एकनासले बीउ वा गेडेमल छर्न सकिन्छ ।
- यसको मल राख्ने द्योला पानी नसोस्ने विशेष किसिमको नाइलनबाट बनेको हुन्छ ।
- एक पटकमा लगभग ९ के.जी. सम्म मल वा बीउ राखेर छर्न सकिन्छ ।

## गेइनको कार्य क्षमता :

- हातले छर्ने समयभन्दा आधा समय लाग्ने हुँदा यसको कार्य क्षमता धेरै राप्रो छ ।
- एकनासले छर्ने हुनाले छेको मल वा बीउको राप्रो सदुपयोग हुन्छ ।
- हातले छर्ने प्रति विघाको १ देखि १.३० घण्टा लाग्छ भने मेशिनले ३० देखि ४५ मिनेटमा सकिन्छ ।



## **तुलनात्मक ग्राहिक प्रिश्लेषण :**

- ▶ हातले छर्ने समयभन्दा आधा समय लाग्ने हुँदा एकनासले छर्ने हुनाले छेरेको मल वा बीउको राम्रो सदुपयोग हुने हुदाँ समय, पैसा, मल वा बीउ र कामदारको बचत हुन्छ ।

## **जोखिजका प्राइदाहुण्ठ :**

- ▶ हातबाट परम्परागत रूपमा छर्ने तुलनामा यस मेसिनबाट थोरै समयमा धेरै क्षेत्रफलमा मल वा बीउ छर्न सक्छन् ।
- ▶ एकनासले छर्ने हुनाले छेरेको मल वा बीउको राम्रो सदुपयोग हुन्छ ।
- ▶ बुढाबुढी, महिला तथा युवा सबैले सजिलैसँग हातले चलाएर एकनासले मल तथा बीउ छर्न सक्छन् ।
- ▶ हातले मल तथा बीउ सोभै छुन नपर्ने हुनाले शारिरमा पर्न सक्ने नकरात्मक असर ज्यादै कम हुन्छ ।

## **जोखिज चलाउने तटिका :**

- ▶ सर्वप्रथम प्रतिकट्टा कुन दरमा मल तथा बीउ भार्ने हो त्यसै अनुसार मेसिन सेट गर्नुपर्दछ । मेसिन सेट गर्नको लागि तल्लो भागमा रहेको पेचलाई सार्नुपर्दछ । पेचलाई पछाडि सार्दा मल वा बीउ खस्ने प्वालको साइज बढ्ने हुँदा मल वा बीउ खस्ने मात्रा पनि बढ्दै जान्छ ।
- ▶ पेचलाई निश्चत नम्बरमा सेट गरेपछि राम्रो सँग कस्नुपर्दछ ।
- ▶ मल वा बीउ झोलाको आधा वा दुई तिहाई भागसम्म मात्र भर्नुपर्दछ । यसरी भर्दा मल वा बीउ भर्ने प्वाल बन्द भएको हुनुपर्दछ । प्वाल बन्द गर्नको लागि लिभरलाई पेच भन्दा अगाडि सार्नुपर्दछ ।
- ▶ मल वा बीउ एकनासले छर्नको लागि ह्यान्डललाई हिडाइको एक पाइलामा एक फन्को भन्दा बढी घुमाउनु हुँदैन । यसको लागि मल तथा बीउ छर्न शुरु गर्नु अघि स्लाइड बन्द गरी ५ मिटर जति हिडै ह्यान्डल घुमाउनुपर्दछ । जसले गर्दा हिडाइ र ह्यान्डल घुमाइको ताल मिलोस् ।
- ▶ मल वा बीउ छर्न शुरु गर्नु भन्दा पहिला ह्यान्डल घुमाउने र त्यसपछि मात्र मल वा बीउ भर्ने प्वाल खोल्ने । मल वा बीउ भर्ने प्वाल खुलाउनको लागि लिभरलाई नट भन्दा पछाडि राख्ने ।
- ▶ सामान्यतया यो मेसिनले मल तथा बीउ छर्दा मल वा बीउको किसिम अनुसार एक पासमा ६ देखि ८ मिटरको चौडाइमा फिजाउँछ र केन्द्रबाट दायाँ तथा बायाँ दुबैतिर बराबर मिटरको दूरीमा फिजाउँछ ।
- ▶ युरिया मल छर्न सुरु गर्दा खेतको शुरुको डिलदेखि ३.५ मिटर दायाँ छोडेर सुरु गर्नुपर्दछ र खेतको अन्तिम डिलमा पुग्नुभन्दा करिब ३-४ मिटर अगाडि नै छर्न रोक्नुपर्दछ ।
- ▶ हरेक पटक युरिया मल छेर फर्कदा पहिले छेरेको ठाउँबाट दायाँतिर करिब ७ मिटर छोडेर छर्न सुरु गर्नुपर्दछ । सामान्यतया एक फट्कोमा ह्यान्डल एक फन्को घुमाउँदा - युरिया मल छर्न लिभरलाई नम्बर १ इन्च ३ सुतामा राख्ना २ किलो, १ इन्च ४ सुतामा राख्ना २.५ किलो र १ इन्च ५ सुतामा राख्ना ३.३ किलो प्रतिकट्टाका दरले मल भर्दछ ।

- डि.ए.पी छन्न लिभरलाई नम्बर १ इन्च ७ सुतामा राख्दा ४.३ किलो प्रतिकडाका दरले बीउ भर्दछ र एक लाइन छरिसकेपछि ८ मी. वा लगभग १२ पाइला टाढाबाट घुम्नुपर्दछ ।
- मुसुरो छन्न लिभरलाई नम्बर १ इन्च २ सुतामा राख्दा १ किलो प्रतिकडाका दरले बीउ भर्दछ र एक लाइन छरिसकेपछि ६.५ मी. वा लगभग ९ पाइला टाढाबाट घुम्नुपर्दछ ।
- गहुँ छन्न लिभरलाई नम्बर २ इन्च १ सुतामा राख्दा ४ किलो प्रतिकडाका दरले बीउ भर्दछ र एक लाइन छरिसकेपछि ७.५ मी. वा लगभग ११ पाइला टाढाबाट घुम्नुपर्दछ ।

**नोट:** तर मल तथा बीउ भर्ने दर हिडाइ र ह्यान्डल घुमाउने गतिमा भर पर्दछ ।

### जेणिज चलाउँदा ध्यान दिनुपर्ने कुटाहुँच:

- ह्यान्डल घुमाउँदा लिभरलाई अगाडि सर्न नदिन औलाले समाई राख्नुपर्दछ ।
- डल्ला परेको मल छ भने राम्रोसँग फुटाएर मात्र मेसिनमा राखी प्रयोग गर्नुपर्दछ ।
- ओसिलो मल ह्यान्डलले घुमाउँदा मेसिनमा टाँसिने र प्वालबाट राम्रोसँग नभर्ने हुँदा त्यस्तो मल प्रयोग गर्नु हुँदैन ।
- मेसिन चलाउँदा सुरक्षात्मक पहिरन जस्तै: एप्रोन, पन्जा, चस्मा, टोपी आदि लगाउनुपर्दछ ।
- मेसिन चलाउँदा मल वा बीउ बीचबाट दुवैतर्फ बराबर छे नछेको राम्रोसँग हेरेर त्यसैअनुरूप झोलालाई केही दायाँ वा बायाँ घुमाएर दुवैतर्फ बराबर भर्ने बनाउनुपर्दछ ।
- मेसिन प्रयोग गरिसकेपछि झोलालाई राम्रोसँग सफा गरेर सुक्खा ठाउँमा राख्नुपर्दछ ।

## (ग) गोडमेल गर्ने मेशिन

### प. मकै गोड्ने मिनी टिलाए जेणिज (Weeder Machine)

मकै छर्ने मेशिन (सिड ड्रिल) प्रयोग गरी लाइनदेखि लाइनको दूरी कमितमा ६० से.मी. भएको अवस्थामा बीचबाट ड्याङ बनाउँदै गोड्ने कृषियन्त्रलाई मकै गोड्ने मेशिन (विडर) भनिन्छ ।

**मेशिनका भागहरू :** इन्जिन, गियरवक्स, गुड्ने चक्का (खुल्ला), फाली जोत्ने, टेल, टेल होल्डर (खुल्ला), फेण्डर (सेफ्टी पाता) र पाता कस्ने एञ्जल (खुल्ला), नट बल्टु (खुल्ला) आदि ।

मिनी टिलर किन्दा एक कार्टुनभित्र यी सबै मिलाएर प्याक गरिएको हुन्छ । हेण्डलमा क्लच केवल, एसीलेटर, एमरजेन्सी स्वीच जोडेर खुल्ला राखिएको हुन्छ । इन्जिन, हेण्डल, गियरवक्स बम्परमा जोडिएको हुन्छ । कार्टुन खोलेपछि हेण्डल गियर बक्समा जोड्न लामो नट दिइएको हुन्छ । त्यसबाट हेण्डल गियर बक्समा जोड्ने । गुड्ने चक्काको साफ्ट फिट गरेपछि चक्का लगाउने, टेल होल्डरमा टेल राखेर गियर बक्समा दिएको हुन्छ । त्यसले लक गरेपछि मिनी टिलर ठाडो बनाएर राख्न सकिन्छ । त्यसपछि फाली सेट फिट गर्नुपर्छ ।



**चित्र १६ : मकै गोडने मेशिन**

फाली दायाँ र बायाँ गरी दुई प्रकारको हुन्छ । यदि फाली उल्टो फिट गरियो भने राप्रोसँग जोत्दैन वा जोत्दै जोत्दैन । यदि मिनिटिलरबाट अरु काम गर्ने हो भने यसका एट्रयाचमेन्ट छुट्टे किन्नुपर्दछ । यो बहुमुखी काम गर्ने साधन भएकाले प्रत्येक साना किसानको घरमा एक वटा हुनु आवश्यक छ । जसरी प्रत्येक घरमा टिभी, कम्प्युटर, फ्रिज, ल्यापटप, मोबाइल चाहिएको छ । त्यस्तै गरी खेती किसानी गर्ने किसानको प्रत्येक गोठमा हुनुपर्ने साधन मिनिटिलर हो । मिनी टिलरसँग यसमा फेर्नुपर्ने इमर्जेन्सी पार्ट्स, नटवल्टु, फिल्टर, मोबिल, लक पीन, फाली, कारबोरेटर, स्पार्क प्लग, नोजल, आयल पम्प, कस्ने टुल बक्सको एकवटा सेट आवश्यक छ ।

माटो, भौगोलिक वनौट, तापक्रम अनुसार मिनिटिलरको बिक्री वितरण र प्रयोग गर्नुपर्दछ । नेपालमा अहिले चलनचल्तीमा रहेका मिनिटिलर हावाले चिस्याउने, ४ स्ट्रूक, सिङ्गल सिलिण्डर भएको इन्जिन हो ।

### **मैटिनेजका विद्योषताहरू :**

- ▶ यो पेट्रोल र डिजल दुवै इन्जिनबाट चल्छ ।
- ▶ १ घण्टामा ०.७ लिटर तेल (डिजेल वा पेट्रोल) ले सजिलै गोडन सक्छ ।
- ▶ तरकारीको दियाङ्ग बनाउन, आलु लगाउन आदिमा पनि प्रयोग गर्ने सकिन्छ ।
- ▶ मिनी टिलरको इन्जिन फोर स्ट्रूक, सिङ्गल सिलिण्डर हुन्छ ।

- ▶ ५ देखि ९ हर्ष पावरसम्मका टिलर मिनी टिलर हुन् ।
- ▶ यसको तौल ४० के.जी.देखि १३० के.जी.सम्म हुन्छ ।

### **कार्य क्षमता:**

- ▶ १ घण्टामा ०.७ लिटर तेल (डिजेल वा पेट्रोल) ले सजिलै गोडन सक्छ ।
- ▶ १ घण्टामा सजिलै २.५ कठासम्म गोडन सकिन्छ ।
- ▶ एकै जनाले सजिलोसँग अरुको सहायता विना गोडन सकिन्छ ।

### **तुलनात्मक मार्गिक चिट्ठेषण :**

- ▶ यदि कृषकले आफ्नो तरिकाले एक बिघा गोडन २० जना मानिसलाई दिन भरी लाग्छ र प्रतिव्यक्ति रु.४०००/- का दरले रु.८०००/- खर्च आउँछ भने मिनी टिलरले गोडदा एक जना कृषकले एक दिनमा गोडेर सक्दछ । जसमा जम्मा खर्च रु.२०००/- मात्र आउँछ भने एक बिगाहा गोडाइबाट रु. ६०००/- बचत हुन्छ ।

### **मिनी टिलर सञ्चालन गर्नुपर्वको उच्चार**

- ▶ इन्जिनको आयल लेभल, चिल्लोपन जाँच गर्ने ।
- ▶ गियर बक्सको आयल, लेभल, चिल्लोपन जाँच गर्ने ।
- ▶ एयर फिल्टर सफा गर्ने ।
- ▶ नट बोल्ट लुज छ भने कस्ने ।
- ▶ एक्सलेटर, क्लच, तारहरु चेक गर्ने ।
- ▶ टायरको हावा चेक गर्ने ।
- ▶ मिनी टिलर न्यूट्रलमा ल्याउने (सजिलै गुइछ भने न्यूट्रलमा छ) ।
- ▶ स्टार्ट भएमा ५ मिनेट त्यसै लोड नदिई चल्न दिने ।
- ▶ क्लच अनुसार गियर चेन्ज गरी बारीमा लैजाने ।
- ▶ स्टार्ट अफ गरी फाली सेट राम्रोसँग चक्का निकाली लगाउने लक गर्ने ।
- ▶ स्लो गियरमा रफ जोत्ने अनि फास्ट गियरमा जोत्ने जसले गर्दा मेसिनमा लोड पर्दैन ।
- ▶ इन्जिन बन्द गर्न एक्सलेटर विस्तारै घटाउने क्लचबाट गियर बन्द गरी एमरजेन्सी स्वीच अफ गर्ने ।
- ▶ मिनी टिलर घरमा ल्याइसकेपछि राम्रोसँग पुछेर फ्युल बन्द गरी राख्नुपर्छ ।

## आँठन सर्जने समस्याहरू द यसका कारणहरू :

| क्र.स. | समस्याहरु                              | कारण   | उपायहरु  |
|--------|--|--|--|
| १      | मिनी टिलर स्टार्ट नभएमा ।              | फ्यूल अफ भएमा वा फ्यूल सकिएमा स्टार्ट हुँदैन ।             | फ्यूल अन गर्ने/तेल पाइप अन गर्ने डिजल नोजल साफ गर्ने र पाइपलाई राम्रोसँग मिलाएर राख्ने । |
|        |  | डोरी तान्न नसकिएमा वा धुमाउन पावर नपुगेमा स्टार्ट हुँदैन । | इन्जन स्टार्ट हुँदैन वा उल्टो धुमेमा धुवाँ फिल्टरबाट फाल्दछ । इन्जन तुरन्तै बन्द गर्ने । |
|        |  | एमरजेन्सि स्वीच अफ भएमा ।                                  | स्वीच अन गर्ने ।   |
|        |  | एक्सलेटर नलिएमा ।  | एक्सलेटर तान्ने ।  |
|        |  | चोक अन नभएमा ।   | चोक अन गर्दा इन्जन स्टार्ट सजिलो हुन्छ ।   |
| २      | इन्जन स्टार्ट हुन्छ तर चाँडै तातिन्छ । | फिल्टर फोहर भएमा स्टार्ट हुँदैन ।                          | फिल्टर फोहर भएमा सफा गर्ने ।   |
|        |  | फिल्टर फोहर भएमा ।   | सफा नभएमा वा पुरानो भएमा नयाँ हाल्ने ।   |
|        |  | मोबिल पुरानो भएमा ।  | मोबिल लेबल मिलाउने वा परिवर्तन गर्ने   |
|        |  | डिजल फोहर भएमा वा नोजल पम्प बिग्रिएमा ।                    | फाली परिवर्तन गर्ने वा इन्जलाई लोड नदिई जोत्ने ।   |
| ३      | कालो धुवाँ फाल्ने ।                    | गिएर बक्स अत्यधिक तातिएमा ।                                | गियरको दाति खिइएको छ भने गियर चेन्ज गर्ने ।  |
|        |  | मोबिल कालो भएमा ।  | मोबिल परिवर्तन गर्ने ।   |
|        |  | फिल्टर फोहर भएमा ।   | सफा गर्ने ।  |
|        |  | मिसावट भएमा ।  | सफा तेल हाल्ने ।   |
|        |  | इन्जनको वेरिड खिइएमा ।                                     | परिवर्तन गर्ने ।   |
| ४      | इन्जनले सेतो धुवाँ फाल्ने ।            | नोजल पम्प र कारबोरेटरमा खराबी                              | परिवर्तन गर्ने ।   |
|        |  | शुरुमा ३-४ मिनेट फालेमा ।                                  | इन्जन गरम नभइन्जेल फाल्छ ।   |
|        |  | धेरै समय फालेमा ।  | रिड पिस्टन परिवर्तन गर्ने ।  |
|        |  | मोबिलको लेभल घटेर रिड पिस्टनमा खराबी आएमा ।                | रिड पिस्टन परिवर्तन गर्ने ।  |

- अन्य समस्याहरुमा इन्जन स्टार्ट गर्दा बन्द हुने वा इन्जन स्टार्ट गर्न गाहो हुने हुदाँ रिड पिस्टन फेर्ने, भल्भ गाइड र सिट भल्भ परिवर्तन गर्ने ।

## ८. बाली काट्ने मेशिनहरू

### प. पावर टिलएमा जोड्ने धान तथा गहुँ काट्ने मेशिन-रिपर (Rice and wheat Reaper)

रिपर धान तथा गहुँ काट्ने मेसिन हो । यसले श्रम, समय र पैसा बचाउँछ । रिपरलाई चलाउन चाहिने शक्तिको आधारमा विभिन्न प्रकारका रिपरहरू उपलब्ध छन् । तीमध्ये ट्याक्टरबाट चल्ने रिपर, पावर टिलरबाट चल्ने रिपर, मिनी टिलरबाट चल्ने रिपर र स्वचालित रिपर पर्दछन् ।

**रिपरका भागहरू :** हेड, गियर बक्स, फ्रेम, मार्कर, कटर नाइफ, प्यानल र डिभाइडर पर्दछन् ।



चित्र १७ : रिपर (Rice and wheat Reaper)

### रिपरलाई पावर टिलएमा जोड्ने तरिका :

- ▶ सर्वप्रथम रिपरलाई पावर टिलरसँग जोड्ने भाग अर्थात हेडको चार हातलाई रिपरमा जोड्ने र पावर टिलरमा जोड्ने । हेडमा भएको प्वालमा दुई सपोर्ट रडलाई हालेर च्यासिसमा जोड्ने ।
- ▶ रिपरलाई चाहिएको न्यूनतम उचाइमा उठाउने र चित्रमा देखाए जसरी टोचन तार जोड्ने । टोचन तारलाई सिधै लिभरमा नजोडी यु क्लाम्प प्रयोग गर्ने जसले गर्दा तार चाँडो चुँडिदैन ।

## एिपद जोड्दा ध्यान दिनुपर्ने कुटाह्छ :

- ▶ मार्करको काम रिपरको दाँया डिभाइडरलाई बाली भन्दा बाहिर राख्न मदत पुऱ्याउने हो । डिभाइडर ड्राइभरले नदेख्ने भएर मार्कर हेर्नुपर्छ । त्यसैले मार्करलाई रिपरको ड्राइभरको दाँया पर्ने डिभाइडरमा जोड्नुपर्छ ।
- ▶ जाहिल्यै पनि रिपर निश्चित उचाइमा राखेर मात्र टोचन तार जोड्नुपर्छ ।
- ▶ लिभरमा पहिले यु क्लाम्प लगाउने र त्यस क्लाम्पमा तार बाँध्ने वा यु क्लाम्प नभएमा लिभरमा भएको प्वालको धार मारेर मात्र तार जोड्ने ।

## मैशिनका विशेषताह्छ:

- ▶ यो मैसिन मुख्यतया ज्यामीको अभाव, ठूला गह्ना तथा खेतमा सजिलै प्रयोग गर्न सकिने हुदौं बढी प्रभावकारी छ ।
- ▶ यस मैशिनले धानको खेत हल्का चिस्यान भएको अवस्थामा पनि काट्न सक्छ तर धान भने सुकेको हुनुपर्दछ, यसले गर्दा गहुँ छिटो लगाउन समेत पर्याप्त समय प्राप्त हुन्छ ।
- ▶ जति ठुला गह्ना भयो उति धेरै काम छिटै हुन्छ ।
- ▶ प्राय धानलाई बिहान १०-११ बजे र गहुँलाई ७-८ बजेबाट शित सुकेपछि काट्न सकिन्छ ।
- ▶ रिपरको लम्बाइ १ मिटर २० से.मी. हुन्छ ।

## मैशिनको कार्य क्षमता :

- ▶ प्लटको साइज हेरि १ घण्टामा ५ देखि ७ कट्ठासम्म काट्न सकिन्छ ।
- ▶ यस मैशिनलाई प्रतिघण्टा १ देखि सवा १ लिटर डिजलको आवश्यकता पर्दछ ।

## तुलनात्मक उगार्यक विवरण :

- ▶ प्रतिघण्टा रु. ८००/- रिपर जडित पावर टिलरले ५ देखि ८ कट्ठा, ४५ मिनेट देखि १ घण्टामा सजिलै गहुँ काट्न सकिन्छ भने हातले काट्दा १ बिघालाई २ देखि ३ दिनसम्म लाग्छ जुन दोब्बर खर्च लाग्छ ।

## एिपदमा आइपर्ने विभिन्न समस्याको काण्डा :

**ब्लेड भाँचिने अवस्था :** या त ब्लेड थिन्चे भाग धेरै टाइट छ वा कटरबार धेरै तल हुनाले ढुङ्गामा लाएयो ।

**अनौठो आवाज आएमा :** या नट लुज छ वा तेल लगाएको छैन ।

**किन टोचन तार छिटो चुडिन्छ ?:** धेरै चाँडो कुदाउँदा तारमा क्षमता भन्दा बढीको भट्टका परेर वा तार बेरेको ठाउँमा धार भएर ।

**बायाँतिर बाली कुल्चेमा :** बायाँ डिभाइडर बाइंगएर भित्र पसेको छ ।

**एक तिर अग्लो काटेमा :** त्यतातिरको डिभाइडर धेरै फराकिलो भएको छ ।

**बाली सिधा भएर सरेको छैन र लाइनमा राखेको छैन :** कन्भे चेनहरू बराबर टाइट छैन वा स्प्रिङ धेरै लुज छ ।

**बाली एकै उचाइमा काटेको छैन र च्यातिएको छ** : पावर टिलरको स्प्रीड ज्यादा भयो या ब्लेड भुते अथवा ब्लेड बीच दूरी ज्यादा छ ।

**बाली नसारेमा वा अद्विकएमा** : बाली सर्ने चेनको लामो भाग भाँचिएको वा बाली धेरै चिसो भएको वा स्प्रीड धेरै टाइट रहेको वा बाली धेरै छोटो वा लामो भएर सार्न गाहो भएको ।

### **एपरदको कुन भागमा कुन तेल कति कति समयमा लगाउने ?**

- ▶ चेन र स्प्रोकेटमा : मोविल (प्रत्येक पटक) ।
- ▶ कनेक्टिङ रडको वियरिडमा : ग्रीज गनले प्रत्येक पटक ग्रीज लगाउने ।
- ▶ अन्य वियरिडमा : दुई चार दिनमा ग्रीज लगाउने ।
- ▶ गियर बक्स : प्रत्येक सिजनमा थोरै मोविल मिसाएर ग्रीज लगाउने ।
- ▶ ब्लेड थिच्चे भाग र घर्षण प्लेटमा : दुई चार घन्टामा मोविल लगाउने ।
- ▶ घरमा रिपर राख्दा मोविल लगाएर पानी नपस्ने गरी छोपेर राख्ने र याद राख्नौं कटरबारमा कहिल्यै केही नराख्ने ।

### **५. गिनी टिलाई चा सानो हाते द्रुत्याच्चटहामा जडित गहुँ तथा धान काट्ने - एपरद (Self-propelled reaper)**

मेशिनबाट समयमै छिटो छरितो रूपमा धान तथा गहुँ काट्ने मिनी टिलर जडित कृषियन्त्र हो । साना गहाहरुमा पनि उपयुक्त हुने तर यो मेशिन केही महङ्गो पर्दछ । यसको पछाडि मान्छे हिङ्गुपर्दछ ।

**रिपरका भागहरु** : हेड, गियर बक्स, फ्रेम, मार्कर, कटर नाइफ, प्यानल र डिभाइडर पर्दछ ।



चित्र १८: रिपर (Self-propelled reaper)

### **मेशिनका विद्योषताहरू :**

- ▶ यो मेशिन मुख्यतया ज्यामीको अभावको अवस्थामा सहजे प्रयोग गर्न सकिने हुँदा बढी प्रभावकारी छ ।
- ▶ यस मेशिनले धानको खेत हल्का चिस्यान भएको (खाला खेतमा) अवस्थामा पनि काट्न सक्छ तर धान भने सुकेको हुनुपर्दछ ।
- ▶ यो मेशिनको प्रयोगबाट छिटो बाली लगाउन समेत पर्याप्त समय प्राप्त हुनेछ ।
- ▶ यस मेशिनले धान तथा गहुँ फेदैबाट काट्न सकिने हुँदा नल तथा पराल खेर जाँदैन । तसर्थ पशुपालक कृषकहरूका लागि अत्यन्त उपयोगी छ ।
- ▶ यसको लागि मिनी टिलर इन्जिन ७ हर्ष पावर वा त्यो भन्दा बढीको हुनुपर्दछ ।

### **मेशिनको कार्य क्षमता :**

- ▶ यसमा इन्धनको निकै कम मात्रामा खपत हुन्छ (प्रति घण्टा १ देखि सवा १ लिटर मात्र) ।
- ▶ मेशिन सानो हुने हुदाँ सजिलै एक ठाउँबाट अर्को ठाउँमा लैजान सकिन्छ ।
- ▶ प्लटको आकार वा साइज हेरी १ घण्टामा ३ देखि ५ कटूठा वा २ देखि ३.५ रोपनी सम्म काट्न सकिन्छ ।

### **तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण :**

- ▶ प्रति घण्टा रु.६००/- देखि रु.८००/- का दरले १ घण्टामा ३ देखि ५ कटूठा वा २ देखि ३.५ रोपनी काट्न सकिन्छ जुन हातैले काट्दा धेरै मजदुर, समय र खर्च लाग्छ ।

### **एपरमा आइपन्जे विभिन्न समर्याको कारण :**

- ▶ ब्लेड भाँचिने अवस्था : या त ब्लेड थिच्ने भाग धेरै टाइट छ वा कटरबार धेरै तल हुनाले दुझामा लायो ।
- ▶ अनौठो आवाज आएमा : या नट लुज छ वा तेल लगाएको छैन ।
- ▶ किन टोचन तार छिटो चुडिन्छ : धेरै चाँडो कुदाउँदा तारमा क्षमता भन्दा बढीको भट्का परेर वा तार बेरेको ठाउँमा धार भएर ।
- ▶ बाँयातिर बाली कुल्चेमा : बाँया डिभाइडर बाइंगाएर भित्र पसेको छ ।
- ▶ एकातिर अग्लो काटेमा : त्यतातिरको डिभाइडर धेरै फराकिलो भएको छ ।
- ▶ बाली सिधा भएर सरेको छैन र लाइनमा राखेको छैन : कन्भे चेनहरू बराबर टाइट छैन वा स्प्रीड धेरै लुज छ ।
- ▶ बाली एकै उचाइमा काटेको छैन र च्यातिएको छ : पावर टिलरको स्पीड ज्यादा भयो या ब्लेड भुते अथवा ब्लेड बीच दूरी ज्यादा छ ।
- ▶ बाली नसारेमा वा अटिकएमा : बाली सर्ने चेनको लामो भाग भाँचिएको वा बाली धेरै चिसो भएको वा स्प्रीड धेरै टाइट रहेको वा बाली धेरै छोटो वा लामो भएर सार्ने गाहो भएको ।

## एपटको कुन भागमा कुन तेल कति कति समयमा लगाउने ?

- ▶ चेन र स्प्रोकेटमा : मोविल (प्रत्येक पटक) ।
- ▶ कनेक्टिङ रडको वियरिडमा : ग्रीज गनले प्रत्येक पटक ग्रीज लगाउने ।
- ▶ अन्य वियरिडमा : दुई चार दिनमा ग्रीज लगाउने ।
- ▶ गियर बक्स : प्रत्येक सिजनमा थोरै मोविल मिसाएर ग्रीज लगाउने ।
- ▶ ब्लेड थिच्चे भाग र घर्षण प्लेटमा : दुई चार घन्टामा मोविल लगाउने ।
- ▶ रिपर राख्दा मोविल लगाएर पानी नपस्ने गरी छोपेर राख्ने र याद राख्नौं कटरबारमा कहिल्यै केही नराख्ने ।

### ३. मकैको धोगा भाँच्ने मैशिन

मकैको धोगा भाँच्ने मैशिन नेपालका लागि नयाँ मैशिन हो । २०७६ सालको सुरुवातमा यसलाई मकै सुपरजोन दाडमा परीक्षण गरिएको थियो । यो मैशिन ज्यामीको अभाव हुने क्षेत्रका साना कृषकहरुका लागि अति उपयोगी देखिन्छ । मैशिनको सञ्चालन, मर्मत र दिगोपनाको बारेमा थप परीक्षण भइरहेको छ ।

### मैशिनका मुख्य भागहरू :

खासगरी यो मैशिनमा चार भागहरू रहेका छन् : इन्जन, मकैको बोटलाई तानेर धोगा छुट्याउने भाग, धोगा जम्मा हुने भाग र धोगा छुट्टिएपछिको बोटलाई तानेर टुक्रा पार्ने भाग ।



चित्र १९ : मकैको धोगा भाँच्ने मैशिन

## **मैशिनका विशेषताहरू :**

- ▶ डिजल इन्जिनबाट चल्ने एक लाइनमा मकै भाँच्ने र ढोडलाई पनि मसिनो बनाएर काट्छ
- ▶ यो मेशिन चलाउन सजिलो, कम तेल खपत हुने, काट्नका निमित मकैको उचाई हेरेर मेशिनको उचाई मिलाउन सकिन्छ ।
- ▶ यो मेशिन ८.५ एच.पि (६.३ किलोवाट) पावरको इन्जिनबाट चल्दछ ।
- ▶ यो मेशिनमा ७.३३ से.मीको व्यासको रोलर र १ वटा ब्लेड हुन्छ ।

## **मैशिनको कार्य क्षमता :**

- ▶ यस मेशिनद्वारा प्रतिघण्टा २ कठ्ठासम्म मकैको घोगा भाँच्न सकिन्छ ।
- ▶ डिजेल खपत: ७०० मिली लिटर प्रतिघण्टा ।
- ▶ घोगा बोक्ने बकेटको क्षमता : ५६-६० घोगा ।
- ▶ मेशिन चल्दा आवश्यक पर्ने जनशक्ति : २ जना (चालक र सहयोगी) ।

## **तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण :**

- ▶ थोरै लागतमा नै मकैको घोगा भाँच्न सकिन्छ ।
- ▶ थोरै जनशक्तिले नै धेरै काम गर्न सकिन्छ ।
- ▶ मकैको ढोडलाई मसिनो गरी काटेर जमिनमा छारिदिने हुनाले पछिल्लो बाली लगाउनका लागि जमिनको तयारी गर्दा सजिलो र कम खर्चिलो हुन्छ । साथै विना खनजोत वा कम खनजोतमा बीउ छर्न सकिने प्रविधिलाई प्रोत्साहन गर्दछ ।

## **मकैको घोगा माँच्ने मैशिन सञ्चालन गर्नुपूर्वको अर्ज्याए**

- ▶ इन्जिनको आयल लेभल, चिल्लोपन जाँच गर्ने ।
- ▶ गियरबक्सको आयल, लेभल, चिल्लोपन जाँच गर्ने ।
- ▶ एयर फिल्टर सफा गर्ने ।
- ▶ नट बोल्ट लुज छ भने कस्ने ।
- ▶ एक्सलेटर, क्लच, तारहरू चेक गर्ने ।
- ▶ टायरको हावा चेक गर्ने ।
- ▶ स्टार्ट भएमा ५ मिनेट त्यसै लोड नदिई चल्न दिने ।
- ▶ क्लच अनुसार गियर चेन्ज गरी बारीमा लैजाने ।
- ▶ स्लो गियरमा मकैको घोगा भाँच्ने भन्दा फास्ट गियरमा मकैको घोगा भाँच्ने जसले गर्दा मेसिनमा लोड पर्दैन ।
- ▶ इन्जिन बन्द गर्न एक्सलेटर विस्तारै घटाउने, क्लचबाट गियर बन्द गरी इमर्जेन्सी स्वीच अफ गर्ने ।
- ▶ मकैको घोगा भाँच्ने मेशिन घरमा ल्याइसकेपछि राप्रोसेंग पुछेर फ्युल बन्द गरी राख्नुपर्छ ।

## उत्तर एकांको समस्याहरण एवं योग्य कामाधानहरू :

- ▶ रोलरभन्दा माथि रहेको प्लेट बाइगिएर रोलरलाई हुन्छ वा दूरी कम भएमा अनावश्यक ध्वनि निस्कन्छ जुन समस्यालाई रोलर र रोलरभन्दा माथि रहेको प्लेट बिचको दूरी मिलाउने र एक आपसमा ठोकिकन नदिने ।
- ▶ कम उचाइको मकैलाई मेशिनले राम्रोसँग मकैको घोगा नभाँच्ने हुँदा मेशिनको उचाइ दिएको चक्काले मिलाउने ।
- ▶ भुइँमा खसेको वा लडेको मकैको घोगालाई भने ब्लेडले छोडाउने हुदाँ लडेको मकैको घोगालाई वा बोटलाई अगाडि नै उठाउनुपर्छ ।
- ▶ रोलरभन्दा माथि रहेको दुईवटा प्लेटको दूरी कम वा धैरे भएमा मकैको घोगालाई वा बोटलाई छुट्याउन गाहो हुँदा दुईवटा प्लेटको दूरीलाई दिएको नटबोल्ट खोलेर प्लेटलाई सारेर दूरी मिलाउन सकिन्छ ।
- ▶ प्युल अफ भएमा, डोरी तान नसकेमा, एक्सलेटर नलिएमा, अत्यधिक चिसो भएमा, मोबिल कम वा फोहर आदि भएमा मिनिटिलर स्टार्ट हुँदैन । यसो भएमा प्युल पाइप चेक गर्ने, डोरी तान नसकेमा फिल्टरबाट धुवाँ फाल्दछ । यसो हुँदा इन्जन तुरुन्तै बन्द गर्नुपर्दछ, एक्सलेटर लिनुपर्दछ, मोबिल लेभल हर्ने पुरानो भए फेर्ने कम भए थप्ने आदि काम गर्नुपर्दछ ।
- ▶ मोबिल कालो भएमा, फिल्टर फोहर भएमा, मिसावट भएमा, इन्जनको वेरिड खिइएमा, नोजल पम्प र कारबोरेटरमा खराबी आदि भएमा कालो धुवाँ फाल्ने समस्याहरु देखा पर्दछ । यसो हुँदा मोबिल, नोजल पम्प र कारबोरेटर परिवर्तन गर्ने, फिल्टर सफा गर्ने, सफा तेल हाल्ने आदि काम गर्ने ।

## ३. बाली चुट्ने मेशिनहरू :

### १. मकै छोडाउने मेशिन (Corn Sheller)



चित्र २०: मकै छोडाउने मेशिन (Corn Sheller)

कर्न सेलर अथवा मकै छोडाउने मेशिन खोसलिसकेको मकैको घोगाबाट छोटो अवधिमा छिटो र सहज तरिकाले दाना निकाल्ने विद्युतीय कृषि यन्त्र हो ।

**मेशिनका मुख्य भागहरू :** मोटर (०.५-१ हर्षपावर), फ्रेम, पुल्ली, बेल्ट, ड्रम, रोलर, तार आदि हुन्छन् ।

### **मेशिनका विद्योषिताहरू :**

- ▶ यो मेशिन मोटरद्वारा चलाउन सकिने (एक फेज विद्युत, ०.५-१ हर्षपावर, ५००-७०० वाट एवम १०००-२००० आर.पि.एम. मोटरबाट राप्रोसँग काम गर्ने)
- ▶ यो मेशिनको वजन १०-१२ के.जी.मात्र हुँदा सजिलै बोकेर एक ठाउँबाट अर्को ठाउँमा लान सकिन्छ ।
- ▶ एकै जनाले पनि धेरै मकै छोडाउन सकिन्छ ।
- ▶ यसमा पनि एक पटकमा एक घोगा मात्र हाल्न मिल्ने र दुई घोगा पनि हाल्न मिल्ने (सिङ्गल र डबल) खालका हुन्छन् ।
- ▶ यस मेशिनले दाना र खोइला अलगै निकाल्छ ।

### **कार्य क्षमता:**

- ▶ यो मेशिनको प्रयोगद्वारा कम समयमा धेरै मकै (एक घण्टामा २०० के.जी) छोडाउन सकिन्छ । जुन काम गर्न २-३ जना मानिसलाई दिनभरको समय लाएछ ।

### **तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण :**

- ▶ प्रति घण्टा रु.५०/- को दरले घण्टामा २०० के.जी. छोडाउन सकिन्छ, जुन २-३ जना मानिसलाई रु. ५००/- को दरले रु. १५००/- मा दिनभरको समय लाएछ ।
- ▶ यो मेशिनको प्रयोगले समय र पैसालाई बचत मात्र नभई जनशक्तिको अभावलाई पनि समाधान गर्दछ ।

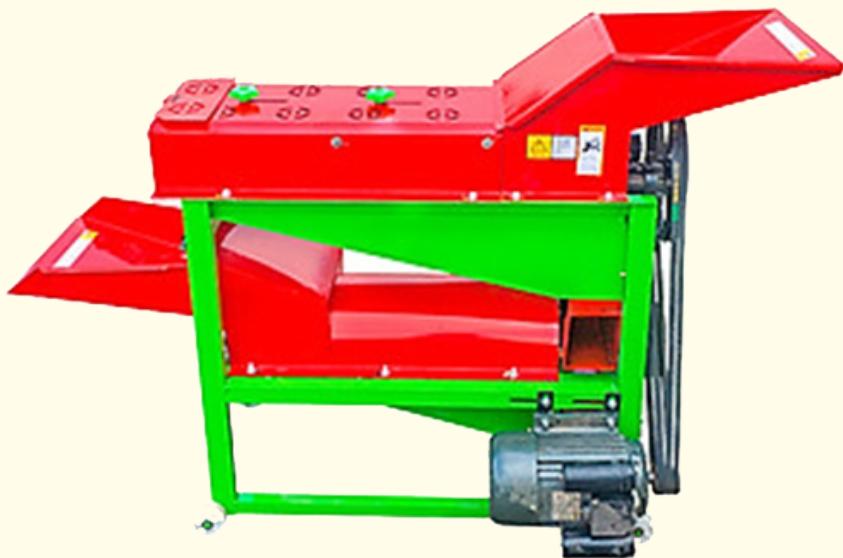
### **आउन दार्जे समर्थनहरू**

- ▶ बेल्ट निस्कने समस्या ।
- ▶ कुनै समयमा मकै नछोडाउने ।

### **गर्नुपर्ने कामहरू:**

- ▶ मकै धेरै सुख्खा मात्र छोडाउने ।
- ▶ मेशिनको नट बोल्टलाई कस्नुपर्दछ ।
- ▶ पुल्लीको बेल्ट मकै छोडाउनुभन्दा अगाडि चेक गर्नुपर्दछ ।
- ▶ एक पटकमा एउटा मकैको घोगा मात्र मेशिनमा हाल्ने ।

## ५. मकै नड्याएर छोडाउने सानो मेशिन (Maize Dehusker cum sheller)



वित्र २१ : मकै नड्याएर छोडाउने मेशिन

मकैको घोगालाई नड्याएर छोडाउने मेशिन एउटा विद्युतीय कृषियन्त्र जसमा एउटै फ्रेमभित्र नड्याएर छोडाउने प्रणालीको विकास गरिएको हुँदा मेशिनमा दिएको बेल्ट मात्र परिवर्तन गरि ऋमबद्धरूपमा घोगालाई नड्याएर छोडाउन सकिन्छ । यो मेशिन चलाउन दुईजना भएमा छिटो र सहज ढङ्गले मकैको घोगालाई नड्याएर छोडाउन सकिन्छ । यो मेशिन महिलाले पनि सहजै चलाउन सक्ने हुँदा अझ उपयोगी देखिन्छ ।

**मेशिनका मुख्य भागहरू:** फ्रेम, पुल्ली, बेल्ट, मकै हाल्ने होपर (२ वटा), रोलर, मोटर (३ एच.पी.), जाली, आउट लेट (खोसेला, दाना घोगा निकाल्ने ठाउँ)

### मेशिनका विद्युषताहरू :

- ▶ यो मेशिनले मकैको घोगाबाट खोस्टालाई अलग गर्ने र एकैसाथ छोडाउने काम गर्दछ ।
- ▶ यसमा मोटर जडित हुँदा विद्युतबाट चल्छ ।
- ▶ यसमा ३ एच.पी.को मोटर हुन्छ ।
- ▶ यसमा पनि एक पटकमा एक घोगा वा दुई घोगा वा धेरै घोगा हाल्न मिल्ने खालका हुन्छन् ।
- ▶ यो मेशिनको प्रयोगद्वारा कम समयमा धेरै मकै खोसल्ने र छोडाउन सकिन्छ, जुन २-३ दिन मानिसलाई दिनभरको समय लाग्छ ।
- ▶ बारम्बार पुल्ली परिवर्तन गर्नु नपर्ने, बेल्ट मात्र परिवर्तन गर्नुपर्छ ।

## **कार्य क्षमता:**

- ▶ यस मेशिनबाट प्रतिघण्टा ५-७ किवन्टल मकै खोसल्न सकिन्छ भने ७-१० किवन्टल मकै छोडाउन सकिन्छ ।
- ▶ कम जनशक्तिले धेरै काम गर्न सकिन्छ ।

## **तुलनात्मक आर्थिक विश्लेषण :**

- ▶ यो मेशिनद्वारा प्रतिघण्टा रु. ५००/- को दरले ५-७ क्वीन्टल मकै खोसल्न सकिन्छ भने ७-१० क्वीन्टल मकै छोडाउन सकिन्छ ।
- ▶ सोही परिमाण हातले ४ जना मानिसले प्रतिदिन रु. ५००/- को दरले १ दिनमा गर्दा रु. २०००/- जतिमा सकिन्छ ।

## **३. मकै छोडाउने ट्रयाक्टर जडित मेशिन (Tractor Mounted Maize Sheller)**



चित्र २२ : मकै छोडाउने ट्रयाक्टर जडित मेशिन

यो ट्र्याक्टरको पावरलाई पिटिओ साफ्टद्वारा मेशिनको पुल्लीलाई घुमाएर मकैलाई छोडाउने ट्र्याक्टर जडित कृषियन्त्र हो । यो मेशिनद्वारा थोरै समय अवधिमा धेरै काम गर्ने मात्र नभई खर्च र मजदुरीलाई कम गराउँदछ ।

#### **जैशिनका विद्योषताहरू :**

- ▶ यो मेशिनले मकैको घोगाबाट दाना निकाल्दछ ।
- ▶ यसले मकैको घोगा र दानालाई अलगै निकाल्छ ।
- ▶ २५ देखि ३५ हर्ष पावरभन्दा बढी क्षमताको चारचक्के ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउन सकिने ।
- ▶ मेशिन सस्तो र छिटो हुन्छ ।
- ▶ २ देखि ३ जनाले सजिलै गर्न सकिन्छ ।

#### **क्षमता :**

- ▶ १ घण्टामा सजिलै २० देखि २५ क्वीन्टलसम्म मकै छोडाउन सकिन्छ ।

#### **तुलनात्मक आर्थिक विद्युलेषण :**

- ▶ यस मेशिनद्वारा प्रतिघण्टा रु. १५००/- को दरमा २० देखि २५ क्वीन्टलसम्म मकै छोडाउन सकिन्छ, जुन सोही परिमाण हातले २ देखि ३ जनाले ४-५ दिनमा प्रतिदिन रु. ५००/- को दरमा रु. ६०००/- मा सकिन्छ ।

#### **आउज सर्कने समर्थ्याहरू :**

- ▶ ट्र्याक्टरको गति धेरै भएमा पुल्लीको बेल्ट निस्कने, टुट्ने हुन्छ ।
- ▶ मकैको दाना टुक्र्याउने समस्या ।

#### **गर्नुपर्ने कामहरू**

- ▶ ट्र्याक्टर न्युट्रलमा हुनुपर्दछ ।
- ▶ ट्र्याक्टर धेरै गतिमा चलाउनु हुँदैन ।
- ▶ मकै सुकेको हुनुपर्दछ ।
- ▶ मेशिन र ट्र्याक्टरको आरपिएम हेरेर मेशिनको पुल्ली परिवर्तन गर्नु आवश्यक पर्दछ ।
- ▶ सिभिड जाली र घोगा छान्ने जालीको नट राम्रोसँग टाइट गर्नुपर्दछ ।
- ▶ सिभिड जाली र घोगा छान्ने जालीको गतिमा परिवर्तन गर्न पुल्लीको छेउको एडजस्टलाई तल माथि गर्नुपर्दछ ।

#### ४. मकै नड्याएर छोडाउने टूलो मेशिन (Maize Dehusker cum sheller)

एकैसाथ सुकेको मकैको घोगालाई नद्याएर अनि छोडाउने ट्र्याक्टर जडित कृषियन्त्रलाई टूलो मकै नद्याएर छोडाउने मेशिन भनिन्छ । यो मेशिनद्वारा एकै पटकमा नद्याउने र छोडाउने हुँदा कम समयमा नै धेरै काम गर्ने हुदाँ किसानहरूले मन पराएका छन् ।

**मेशिनका मुख्य भागहरू :** होपर, ड्रम, ड्रमभित्र बिटर, घोगा छाने जाली, सिभिड जाली, खोसेला निकाल्ने प्यान वा ब्लोवर, पुल्ली, बेल्ट, साफ्ट र खोसेला घोगा फाल्ने आउटलेट आदि ।



चित्र २३ : मकै नद्याएर छोडाउने टूलो मेशिन

#### मेशिनका विषेषताहरू :

- ▶ एकैसाथ सुकेको मकैको घोगालाई नद्याएर अनि छोडाउने ।
- ▶ ३५ हर्ष पावर भन्दा बढी क्षमताको चारचक्के ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउन सकिने ।
- ▶ कम मजदुर भए पुग्ने ।
- ▶ मेशिन सस्तो र छिटो हुन्छ ।
- ▶ साफ्टद्वारा ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउन सकिने ।
- ▶ मकैको लागि धेरै नै उपयोगी छ भने मकैको दानामा कुनै असर हुन्न ।
- ▶ यस मेसिनले राग्रो दाना, नराग्रो दाना, घोगा, खोसेला अलगौ निकाल्छ ।

#### क्षमता :

- ▶ प्रति घण्टा ४५ देखि ५० किवन्टल (दाना मात्र) सम्म मकै छोडाउन सकिन्छ ।

## तुलनात्मक उर्ध्वरूपिका विश्लेषण

- यस मेशिनद्वारा प्रतिघण्टा रु. १४००/- को दरमा ४५ देखि ५० क्वीन्टलसम्म मकैको घोगालाई छोडाउन सकिन्छ जुन सोही परिमाण हातले २ देखि ३ जनाले ७ दिनमा प्रतिदिन रु. ५००/- को दरमा रु. १०,५००/- मा सकिन्छ ।

## उत्तरांतर सर्वज्ञ समष्टियाहुङ्ग

- दिएको जालीबाट तल छिरेर राम्रोसँग दाना विनाको घोगा छान्दैन वा मेशिनमै अडकिन्छ ।
- सिभिड जाली र घोगा छाने जालीको नट राम्रोसँग टाइट नभएर राम्रोसँग दाना निस्केको घोगा (खोइला) छान्दैन ।
- ट्र्याक्टरमा जोइने साफ्टको दाँती दुवैतिर एकै साइजको हुनुपर्दछ नभए मेशिन चल्न सक्दैन ।
- राम्रोसँग नसुकेको मकैलाई राम्रोसँग छोडाउन सक्दैन ।
- मेसिन किनेको सुरुमा फलामका टुक्राहरु दानासँगै आउने समस्या ।

## गर्नुपर्ने कामहुङ्ग

- ट्र्याक्टर न्युट्रलमा हुनुपर्दछ ।
- ट्र्याक्टर धेरै गतिमा चलाउनु हुँदैन ।
- मकै सुकेको हुनुपर्दछ ।
- मेशिन र ट्र्याक्टरको आर.पि.एम. हेरेर मेशिनको पुल्ली परिवर्तन गर्नु आवश्यक पर्दछ ।
- सिभिड जाली र घोगा छाने जालीको नट राम्रो सँग टाइट गर्नुपर्दछ ।
- सिभिड जाली र घोगा छाने जालीको गतिमा परिवर्तन गर्न पुल्लीको छेउको एडजस्टलाई तल-माथि गर्नुपर्दछ ।
- मेसिन किनेको सुरुमा फलाम दानासँगै आउने हुँदा धेरै पटक केलाउनुपर्दछ ।

## ४. बहुबाली थ्रेसिङ गर्ने मैशिन (Multi-crop Thresher)



चित्र २४ : बहुबाली थ्रेसिङ गर्ने मैशिन

धान, मसुरो, गहुँ, तोरी आदि दाउने बहुउपयोगी कृषि यन्त्र हो । यो ट्र्याक्टरको पावरलाई पिटिओ साफटद्वारा लिएर मेशिनको पुल्लीको बेल्ट घुमाउँदै मेशिन चलाइन्छ । विभिन्न प्रकारका अन्नहरू दाउने हुँदा यो धेरै उपयोगी र धेरैले मन पराएका छन् ।

**मैशिनका मुख्य भागहरू :** होपर (धान, गहुँ, मसुरो आदि हाल्ने ठाउँ), चक्का, ड्रम, पुल्ली, बेल्ट, ड्रमभित्रको ब्लेडको पाता, जालीहरू, साफ्ट, आदि ।

### **मैशिनका विद्योषताहरू :**

- ▶ यो मेशिनद्वारा धान, मसुरो, गहुँ, तोरी आदि दाउन सकिन्छ ।
- ▶ यस मेसिनले राम्रो दाना, नराम्रो दाना, भुस, नललाई अलगै निकाल्छ ।
- ▶ ३५ हर्ष पावरभन्दा बढी क्षमताको चारचक्के ट्र्याक्टरमा जोडेर चलाउन सकिने ।
- ▶ मेशिन सस्तो र छिटो हुन्छ ।
- ▶ कम मजदुर भए पुग्ने ।

### **क्षमता :**

- ▶ धान, गहुँ, मसुरो प्रतिघण्टा १५ देखि २० क्वीन्टल (दाना मात्र) सम्म दाउन सकिन्छ ।
- ▶ तोरी प्रतिघण्टा ५ देखि ७ क्वीन्टल (दाना मात्र) दाउन सकिन्छ ।

### **तुलनात्मक ऊर्ध्वक विवरण**

- ▶ यस मेशिनद्वारा प्रतिघण्टा रु. १६००/- को दरमा १५ देखि २० क्वीन्टलसम्म धान, गहुँ, मसुरो दाउन सकिन्छ जुन सोही परिमाण हातले २ देखि ३ जनाले ५ दिनमा प्रति दिन रु. ५००/- को दरमा रु. ७५००/- मा सकिन्छ ।
- ▶ त्यसैगरी प्रतिघण्टा रु. १६००/- को दरमा ५ देखि ७ क्वीन्टलसम्म तोरी दाउन सकिन्छ जुन हातले २ देखि ३ जनाले ३ दिनमा प्रतिदिन रु. ५००/- को दरमा रु. ४५००/-मा सकिन्छ ।

**आउन सक्ने समस्याहरू :** दाना टुक्र्याउने, पराल र भुस नजिकै फाल्ने, दानासँगै पराल फाल्ने जस्ता समस्याहरू देखिवन्छन् ।

### **गर्नुपर्ने कामहरू**

- ▶ मेशिन र ट्र्याक्टरको आर.पि.एम.हेरैर मेशिनको पुल्ली परिवर्तन गर्नु आवश्यक पर्दछ ।
- ▶ ड्रममा भएको जाली र सिभिड जाली परिवर्तन गर्नु आवश्यक पर्दछ ।
- ▶ ट्र्याक्टरलाई न्युट्रलमा राख्नुपर्छ ।



लेजर ल्याण्ड लेमलर मेशीन



पावरटिलर मेशीन



धान, गहुँ काटने रिपर मेशीन



जग्गा तयारीमा प्रयोग गरिने ट्रयाक्टर

## मकै बालीमा पूर्ण यानिक्रीकरणका भलकहरु



मकै छर्ने सिड ड्रिल मेशीन



मकै रोप्ने ज्याब प्लान्टर तथा मकै गोड्ने मिनिटिलर मेशीन



मकै भाच्ने रिपर तथा मकै थ्रेसर मेशीन